डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 110 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | बुधवार 31 जनवरी 2024 | मूल्य 2 रुपया

सीआरपीएफ जवान ने खुद को गोली मारी

नीमच, 30 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। सीआरपीएफ के एक जवान ने खुद को गोली मार ली। उसे बड़े अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जवान सौरभ पिता तरसीम उम्र 26 वर्ष पंजाब के होशियारपुर जिले का रहने वाला था। बताया जा रहा है कि एक दिन पहले ही वह घर से छुट्टी खत्म कर लौटा था। मंगलवार अल सुबह उसने सीआरपीएफ परिसर स्थित अपने बैरक के बाहर सर्विस राइफल से खुद को शूट कर लिया।जवान ने आत्महत्या से पहले कुछ मैसेज अपने भाई और अन्य परिजनों को किए थे, जिसमें पैसे के लेन-देन की बात सामने आई है।

मामले में फिलहाल पुलिस जांच कर रही है। जवान के शव को पोस्टमार्टम के बाद अंतिम संस्कार के लिए पंजाब के होशियारपुर जिले के उसके पैतृक गांव रवाना कर दिया गया है।

भिखारियों का 30 लाख रुपए प्रतिमाह का बिजनेस

सुबह-शाम खाने की व्यवस्था के बाद भी भूख के नाम पर मांगी जा रही भीख

मंदसौर, 30 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। सरकार ने देश में उज्जैन सहित कुछ शहरों को भिखारी मुक्त बनाने की योजना बनाई है। ऐसे में बात करें मंदसौर की तो यहां करीब एक लाख रुपए रोज का भीख मांगने का बिजनेस है। बिजनेस इसलिए कहा जा रहा है, क्योंकि कोरोना जैसी आपदा हो या बाढ़ के हालात, दो समय परमानेंट रूप से जरुरतमंदों के लिए खाने की व्यवस्था है। कोरोनाकाल में कई गरीब या मध्यमवर्गीय परिवार ऐसे रहे जो स्वाभिमान के कारण किसी से खाना नहीं ले सकते थे। कई विकट परिस्थितियां इन लोगों ने देखी। लेकिन, सड़को पर भीख मांगने वालों को लोगों ने उनके पास पहुंचकर खाना उपलब्ध कराया। इसके अलावा शासन की योजनाओं का लाभ अलग भीख मांगने वाले अधिकांश लोगों को मिल रहा है। इसके बाद भी मंदसौर में करीब पांच सौ लोग मंदिरों के बाहर, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, शहर की मुख्य सड़कों पर भीख मांग रहे हैं।

नशे के सौदागरो के पास पहुंच रहा रुपया...

कई भीख मांगने वाले बुजुर्ग, दिव्यांग और अन्य लोगों को शराब की दुकानों के बाहर शाम को देखा जा सकता है। इसके अलावा कईयों की आंखे और हाव भाव भांग, गांजे और स्मैक के नशे की और भी ईशारा करते हैं। मतलब कहीं न कहीं दान पुण्य के नाम पर दिया जा रहा रुपया

शराब के साथ स्मैक के धुएं में उड़ रहा लोगों क पुण्य

शराब दुकानों पर पहुंच रहा है। इसके अलावा बस स्टैंड की होटलों पर सब्जियां पैक करवाते हुए भी भीख मांगने वाले लोगों को देखा जा सकता है।

इन दो जगहों पर रोजाना भोजन की व्यवस्था...

शहर के जनकपुरा स्थित अन्न क्षेत्र में सुबह और गांधी चौराहा पर रोटी बैंक द्वारा शाम को जरुरमंदों को भोजन उपलब्ध कराया जाता है। किसी भी परिस्थिति में यहां भोजन सुविधा रोजाना उपलब्ध होती है। इसके अलावा नगरपालिका द्वारा शासन की योजना के अंतर्गत महाराणा प्रताप बस स्टैंड पर महज 10 रुपए में सुबह भोजन उपलब्ध कराया जाता है।

शासन की भी योजनाएं...

भोजन के अलावा शासन की भी कई योजनाएं जरुरतमंद लोगों के लिए चलाई गई है। इसमें राशन से लेकर रहने तक की सुविधा है। रैन बसेरा, दिव्यांग पुनर्वास केंद्र जैसी कई सुविधाएं जरुरतमंद लोगों के लिए है। इसके अलावा वृद्धावस्था पेंशन और दिव्यांग पेंशन भी सरकार दे रही है। मतलब खाने से लेकर रहने तक का जिम्मा जरुरतमंदों का सरकार उठा रही है। इसके अलावा रोटी बैंक, अन्न क्षेत्र और घरों से भी जरुरतमंद लोगों की मदद खाने के रूप में की जा रही है। इसके बावजूद भिखारियों की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है।

यह आंकड़ा बता रहा सच्चाई

लगभग पांच सौ भिखारी शहर में रोजाना भीख मांगते हैं। इधर बात करें गांधी चौराहा और अन्न क्षेत्र में भोजन करने वालों की तो यहां एक जगह 35-40 लोग ही भोजन करने पहुंच रहे हैं। मतलब साफ है कि कही न कहीं भीख मांगने को व्यापार बना दिया गया है तो कुछ लोगों का भीख मांगने के बाद रुपयों का उपयोग नशे के रूप में हो रहा है। इसके बाद होटल से वेज नानवेज के रूप में भोजन कर लाइफ का इंजॉय किया जा रहा है।

पांच रुपए से कम नहीं लेते...

पहले भिखारियों को एक रुपया या दो रुपया दिया जाता था। लेकिन अब इनकी डिमांड कम से कम पांच से दस रुपए है। पांच का सिक्का अमूमन लोगों की जेब में नहीं होता। इसलिए दस रुपए तक लोग भीख में दे देते हैं। इसके अलावा मंगलवार को बालाजी मंदिर सहित वार के हिसाब से मंदिरों के बाहर बैठकर भीख मांगना और उसके बाद सड़को पर भीख मांगना। इसी से रोजाना की इनकम का अंदाजा भीखारियों का लगाया जा सकता है।

इनका कहना...

गांधी चौराहा पर शाम को संस्था द्वारा जरुरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराया जाता है। 40-50 लोग यहां पहुंचते हैं। हजार लोग भी अगर यहां पहुंचे तो भगवान की कृपा से हम भोजन उपलब्ध करा सकते हैं। लोगों को भी नकद राशि की बजाय जरुरतमंदों को खाने की समग्री या पहनने के लिए वस्त्र देना चाहिए।

सुनील बंसल, अध्यक्ष, रोटी बैंक मंदसौर

सांची हुआ भिखारी मुक्त, अन्य शहरों में भी प्रयास

सरकार ने भिक्षावृत्ति मुक्त भारत का लक्ष्य पूरा करने के लिए कार्ययोजना तैयार कर ली है। इसके तहत भिक्षावृत्तिमें जुटे वयस्कों, महिलाओं, बच्चों के सर्वेक्षण और पुनर्वास के लिए धार्मिक, ऐतिहासिक और पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण 30 शहरों की सूची तैयार की है। इनमें मप्र के 4 शहर हैं। इनमें दो धार्मिक शहर उज्जैन और ओंकारेश्वर हैं। वहीं, पर्यटन स्थलों में सांची-खजुराहो और ऐतिहासिक शहरों में इंदौर को शामिल किया है। तीस शहरों में से 25 ने फीडबैक भेज दिया है। कांगड़ा, कटक, उदयपुर और कुशीनगर से फीडबैक मिलना बाकी है। प्रदेश के सांची के अधिकारियों ने बताया है कि इस क्षेत्र में एक भी भिखारी नहीं है। इसके बाद सांची की जगह किसी और शहर को सूची में शामिल करने पर विचार किया जा रहा है। कोझिकोड, विजयवाडा, मदुरै और मैसूरु ने पहले ही सर्वेक्षण पूरा कर लिया है।

होने लगा मौसम में बदलाव

दोपहर में हो रहा गर्मी का अहसास, रात ठंडी

मंदसौर, 30 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। अंचल में अब कड़ाके की ठंड से राहत है। दिन में गर्मी का एहसास होने लगा है। हालांकि रातें अब भी सर्द है। जिले में अधिकतम तापमान 25 डिग्री और न्यूनतम तापमान 11 डिग्री के आसपास बना हुआ है। पश्चिमी विक्षोभ की वजह से हल्के बादल भी छाए हुए हैं।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार अगले 5 दिन में दो वेस्टर्न डिस्टरबेंस आएंगे। इससे 5 फरवरी तक प्रदेश में बादल छाए रहेंगे। हालांकि, बारिश नहीं होगी। लेकिन दिन-रात में सर्दी से जरूर राहत मिलेगी। मौसम वैज्ञानिक अशफाक हुसैन ने बताया कि 30 जनवरी और 3 फरवरी को उत्तर भारत में दो वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होंगे। इनका असर मध्यप्रदेश में दो दिन बाद देखने को मिलेगा। इससे रात के टेम्प्रेचर में बढ़ोतरी होगी, क्योंकि उत्तरी हवाएं नहीं आएंगी। दिन के तापमान स्थिर रहेंगे। सिस्टम की वजह से फिलहाल बारिश होने की संभावना नहीं है। पश्चिमी विक्षोभ के गुजरने के बाद 6-7 फरवरी को तापमान में 2 से 3 डिग्री तक की गिरावट आ सकती है।

दो माह पूर्व लापता नाबालिग बालिका राजस्थान से मिली, आरोपी गिरफ्तार

भानपुरा, 30 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। ऑपरेशन मुस्कान के तहत चलाए जा रहे पुलिस के अभियान में पुलिस ने अपहृत नाबालिग बालिका को दस्तयाब किया है। वहीं आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। बालिका को राजस्थान के बारा जिले से ढूंढकर परिजनों के सुपुर्द किया गया है। पुलिस ने बताया कि 4 दिसंबर 2023 को थाना भानपुरा पर एक व्यक्ति द्वारा अपनी 15 वर्षीय नाबालिग बालिका के अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी।

पुलिस की सायबर सेल से तकनिकी विश्लेषण लेकर अपने मुखबीर का उपयोग कर नाबालिग बालिका की हर संभावित स्थानो पर तलाश की। जिसके बाद नाबालिग बालिका को छिपा बडौद जिला बारा राजस्थान मे होने की मुखबीर सूचना पर तत्काल मय फोर्स के रवाना होकर बारा पहुचे। जहां नाबालिग बालिका उम्र 15 वर्ष 08 माह को आरोपी प्रहलादसिंह राजपूत पिता दुलेसिंह राजपूत उम्र 20 साल निवासी ग्राम सालिया खेडी थाना सोयत जिला आगर मालवा के कब्जे से दस्तयाब कर आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी नाबालिग बालिका को बहला-फुसलाकर, शादी का झांसा देकर ले गया था जो बाद आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय मे पेश कर आरोपी को जैल भेजा गया एवं अपहर्त नाबालिक बालिका को सकुशल माता पिता के सुपुर्द किया गया।

कल से बंद हो जाएगा लोगों का फास्टैग, केवायसी जरूरी

मंदसौर, 30 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। टोल प्लाजा पर 1 फरवरी से केवायसी अपडेट फास्टैग ही स्वीकार किए जाएंगे। जिन फास्टैग का बैंक खाता नंबर, आधार कार्ड और वाहन नंबर अपडेट नहीं होगा, वह ब्लॉक होंगे।

परिवहन विभाग एवं नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने बैंक प्रबंधन से 31 जनवरी से पहले केवाईसी अपडेट करने का आग्रह किया था। पूर्व में जारी होने वाले फास्टैग नंबर आधार कार्ड एवं वाहन नंबर से अटैच नहीं किए गए थे। यह केवल बैंक खाता नंबर के आधार पर संचालित हो रहे थे। जिन्हें टोल पर स्कैन कर खाते से राशि काटी जाती थी, परची पर वाहन नंबर मेन्यूअल दर्ज होता था। एक ही कार्ड का इस्तेमाल अनेक वाहनों के लिए करने के दौरान विवाद की स्थिति बन रही थी एवं आपराधिक मामलों में टोल प्लाजा क्रॉस करने वाले वाहन एवं चालक की पहचान भी मुश्किल हो रही थी।

फटाफट होगी केवायसी प्रक्रिया...

पहले से जारी फास्टैग को केवाईसी अपडेट करने के लिए आप अपने बैंकिंग एंड्रॉयड एप्लिकेशन का इस्तेमाल कर सकते हैं। कार्ड को स्कैन करने के बाद इस पर अपना आधार कार्ड बैंक खाता नंबर सहित वाहन नंबर दर्ज करते ही बैंक द्वारा आपके फास्टैग को केवाईसी अपडेट कर दिया जाएगा। 1 फरवरी के बाद ब्लॉक होने की स्थिति में भी आप अपने एंड्रॉयड एप्लिकेशन के जरिए इसे दोबारा एक्टिवेट करवा सकते हैं।

यह होगी गाइडलाइन...

- ब्लॉक होने की सूरत में अपने बैंक की मुख्य शाखा से रिएक्टिवेट करवा सकेंगे।
- नए कार्ड अब बैंक खाता नंबर, आधार कार्ड और वाहन नंबर के साथ जारी हो रहे।
- एक वाहन के लिए एक कार्ड ही सक्रिय रहेगा।
- कार्ड खराब होने पर ही आप अपने संबंधित जारीकर्ता बैंक से स्टिकर बदलने के लिए अनुरोध कर सकते हैं।
- कार्ड रिचार्ज करने के लिए अब मोबाइल वॉलेट ऐप का भी इस्तेमाल किया जा सकता है।
- आप एक फास्टैग खाते से दूसरे फास्टैग खाते में राशि ट्रांसफर नहीं कर सकते।
- कार्ड ब्लॉक होने पर शेष राशि लेप्स हो जाएगी।

इनका कहना...

केंद्र सरकार की गाइडलाइन के अनुसार फास्टैग का सत्यापन कराना होगा। इससे यात्री सुरक्षा एवं टोल प्लाजा पर समय की बचत होगी।

अरविंद सक्सेना, अपर आयुक्त परिवहन विभाग

परीक्षा केंद्र के आस-पास भीड़ होने, लाउडस्पीकर बजाने पर दर्ज होगा प्रकरण

भोपाल, 30 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की 10वीं व 12वीं की बोर्ड परीक्षा में परीक्षा केंद्र के साथ-साथ प्रश्नपत्र लाने से लेकर उत्तरपुस्तिकाओं के जमा करने के लिए अलग-अलग अधिकारियों की तैनाती की गई है। इसमें केंद्राध्यक्ष व सहायक केंद्राध्यक्षों की जिम्मेदारी महत्वपूर्ण है। परीक्षा में किसी प्रकार की सामूहिक या व्यक्तिगत नकल, प्रश्नपत्र एवं उत्तरपुस्तिका बदल दिया जाना, परीक्षार्थी द्वारा उत्तरपुस्तिका लेकर भागने या फाड़ने जैसी घटना होती है, तो मंडल कार्यालय के साथ-साथ कलेक्टर को तत्काल जानकारी देना होगी। वहीं परीक्षा केंद्र के आस-पास भीड़ एकत्र न हो सके और परीक्षा केंद्रों के आस-पास लाउडस्पीकर का उपयोग न हो सके। ऐसा होने या भीड़ एकत्र होने की स्थिति में लाउडस्पीकर जब्त कराकर व्यक्तियों के खिलाफ पुलिस को परीक्षा अधिनियम के अंतर्गत एफआइआर दर्ज कराई जाएगी।

माशिमं द्वारा जारी निर्देशों के मुताबिक बोर्ड परीक्षाओं में यदि कोई परीक्षार्थी अनुचित साधनों का प्रयोग करता है या कोई व्यक्ति इसमें उसकी सहायता करता है तो सजा का प्रावधान है। कक्ष में सामूहिक नकल या अन्य व्यक्ति द्वारा नकल करवाने पर सभी परीक्षार्थियों का परीक्षाफल निरस्त होगा। दोनों परीक्षाओं में प्रदेश के करीब 17 लाख विद्यार्थी शामिल हो रहे हैं।

परीक्षा केंद्रों पर लागू होगी धारा 144...

माशिमं द्वारा जारी निर्देशों के मुताबिक बोर्ड परीक्षाओं में यदि कोई परीक्षार्थी अनुचित साधनों का प्रयोग करता है या कोई इसमें उसकी सहायता करता है तथा परीक्षार्थियों के धमकी देने या हथियार ले जाने पर भी सजा का प्रावधान है। अनुचित साधनों का प्रयोग करते पाए जाने पर दोषी व्यक्ति को सरकारी सेवा में नहीं लिया जाएगा। परीक्षा केंद्र से 100 गज की दूरी तक धारा 144 लागू रहेगी। परीक्षा में मोबाइल, साधारण केलकुलेटर, साइंटिफिक कैलकुलेटर, मोबाइल फोन, कंप्यूटर के उपयोग पर प्रतिबंध लगाया गया है।

ऐसे होगी पर्यवेक्षकों की तैनाती...

परीक्षाओं में 20 विद्यार्थी पर एक पर्यवेक्षक नियुक्त किया जाएगा। एक कक्षा में 20 से अधिक व 40 से कम विद्यार्थियों पर दो पर्यवेक्षक नियुक्त रहेंगे। विद्यार्थियों की 40 से अधिक संख्या होने पर 15 परीक्षार्थियों पर एक पर्यवेक्षक रहेगा।

इनका कहना...

नकल रोकने के लिए सख्त उपाय किए गए हैं। 10वीं व 12वीं परीक्षा में नकल करने वाले परीक्षार्थियों पर सजा व जुर्माना का प्रावधान है। परीक्षा की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं।

बलवंत वर्मा, परीक्षा नियंत्रक, माशिमं भोपाल

मोदी के अभियान 2024 को सफल बनाने में राहुल भी कर रहे हैं मदद..!

मंदसौर/उज्जैन, 30 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रामलला प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन राजनीतिक बनाकर भाजपा का जनाधार मजबूत करने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। इसके उलट विपक्षियों ने इसका विरोध कर भाजपा का धर्म की आड़ में हिंदू जनमत को आकर्षित करने और अल्पसंख्यक वर्ग की उपेक्षा करने वाला राजनीतिक एजेंडा बता कर विरोध किया था। मोदी सरकार ने चारों शंकराचार्य की धर्म व्यवस्था के प्रति नाराजी के बाद भी विश्व स्तर पर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम 22 जनवरी को अंजाम दे ही डाला। एनडीए में शामिल दलों के अलावा सभी ने नाराजगी का भरपूर सार्वजनिक प्रदर्शन भी कर दिया था। बाकी दलों का विरोध तो सामान्य ही रहा था। किन्तु, कांग्रेस के चीर युवा राहुल गांधी ने भारत न्याय यात्रा निकालकर मोदी के 2024 में भी सरकार बनाने के अभियान में भरपूर मदद करना अभी से शुरू कर दिया है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राजनीति में जाने पहचाने भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी कई बार कह चुके हैं कि कांग्रेस तो मोदी की जेब में है। यह तब से सच लगने लगा है जब से मोदी ने चुनाव अभियान 2024 की तैयारी शुरू की थी। जब नरेंद्र मोदी प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की आड़ में भारत के जनमत को रिझा रहे थे, तब राहुल असम मणिपुर में यात्रा निकाल रहे थे। मोदी देश के जनमत को प्रभावित कर रहे थे तो राहुल सिर्फ असम, मणिपुर के जनमत को! अयोध्या में राम मंदिर निर्माण और प्राण प्रतिष्ठा को लेकर कांग्रेस के बड़े नेता प्रमोद कृष्णन ने भरे प्रेस कार्यक्रम में नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देते हुए प्रशंसा की कि यह काम सिर्फ नरेंद्र मोदी के कारण ही हो पाया है कोई और प्रधानमंत्री होता तो नहीं हो पाता। ऐसे राजनीतिक वातावरण में जबकि केंद्र की राजनीति के लिए अपने ही कांग्रेस के केंद्रीय कार्यालय और राष्ट्रीय संगठन के ढांचे में सबसे पहले सुधार करना था, अगर 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की सीटें बढ़ाना प्राथमिकता है तो! अन्यथा वे मणिपुर, असम या केरल, आंध्र में पदयात्रा कर सिर्फ खुद की लोकप्रियता बढ़ा सकते हैं, बढ़ा रहे हैं।

चन्द्रमोहन भगत

राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस पिछड़ जाएगी और पिछड़ भी रही है। अब कांग्रेस के भी निष्क्रिय हो चुके अपने दौर के छत्रप नेताओं का भी मानना है कि पहले संगठन ऊर्जावान और विचारधारा के प्रति समर्पित भाव रखने वालों का बनाना होगा ना की यात्रा में राहुल के साथ चहलकदमी करने और उनको मोटरसाइकिल पर घूमाने वालों और खासकर मुंह पर प्रशंसा करने वालों का। हाल के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार को गंभीरता से लेकर अति सूक्ष्म परीक्षण किया जाना चाहिए था। क्योंकि, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ में चुनाव से पहले कांग्रेस की स्थिति स्पष्ट बहुमत पाने जैसी अनेक एजेंसियों ने आंकलित की थी। ऐसी स्थिति ना तो हवाई वातावरण और ना हवाई बातों के कारण बनी थी। बावजूद इसके कांग्रेस बुरी तरह हारी। तब हार की समीक्षा को लेकर शीर्ष नेतृत्व की गंभीरता नजर आना थी।

राहुल गांधी का ऐसे समय यात्रा पर निकलना भी केंद्रीय कार्यालय की उसी चौकड़ी का काम है, जिन के कहने पर प्रभारी बनते रहे, प्रत्याशियों के चयन किए जाते रहे, और अपने लोगों के लिए भ्रामक सर्वे कराए गए। मध्य प्रदेश मे कांग्रेस नेताओं पर तो टिकट बेचने तक के आरोप लगे थे। शर्म की बात है किसी क्षेत्रीय दल के संगठन पदाधिकारी पर ऐसे आरोप नहीं लगे हैं। किसी भी राजनीतिक दल में ऐसा उदाहरण भी नहीं मिलेगा कि कोई पदाधिकारी जो अपने राज्य के विधान सभा चुनाव में अपनी जमानत भी बचा नहीं पाया है, वह रणदीप सुरजेवाला राष्ट्रीय महामंत्री बन जाता है और राज्यों में चुनाव जीताने वाला प्रभारी भी! ऐसे ही मंदसौर जिले में प्रभारी थी अर्चना जायसवाल, वे इंदौर महापौर चुनाव बुरी तरह हारी थी, इससे पहले भी वे कोई चुनाव नहीं जीती थी। किन्तु, प्रत्याशियों के संगठन के खर्चे पर यहां अच्छे होटल में रुके पैसा खर्च भी कराया। किन्तु, कांग्रेस प्रत्याशी को 50 वोट भी अपनी कुवत से नहीं दिला सकते हैं।

कांग्रेस में हारने के बाद कभी यह समीक्षा भी नहीं की गई कि प्रत्याशी का चयन किस पर्यवेक्षक या प्रभारी ने जीतने वाला बताकर कराया था या कोई विशेष अदृश्य कारण था प्रत्याशी बनाने का ! कांग्रेस के नीतिकार, सूत्रकार, केंद्रीय नेतृत्व के शीर्ष पदाधिकारी आज भी कांग्रेस की फिर से नवउत्पत्ति हो ऐसी कोई योजना पर विचार कर काम करते नजर नहीं आ रहे हैं। बस उन्हें अपने युवराज राहुल गांधी की छवि की चिंता नजर आती है। शायद कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को ब्रह्मांड से यह बोधी ज्ञान प्राप्त हो चुका होगा कि सिर्फ राहुल की छवि बेहतर हो और वह अकेले भी जीत जाएंगे तो केंद्र में कांग्रेस की सरकार बन जाएगी? तब तो कांग्रेस में जो चल रहा है ठीक ही चल रहा है।

इसी लचर प्रवृत्ति और सांगठनिक अक्षमता के कारण अभी तक इंडिया गठबंधन भी आकार नहीं ले पा रहा है। इससे पहले की हारों के कारण भी कांग्रेस ने आज तक खोजने के प्रयास ही नहीं किए है तो सुधार लाने के कैसे कर पाते ! अभी भी यह शास्वत और सार्वजनिक है कि कांग्रेस में अनुशासन और समर्पण का अत्यधिक अभाव है। साथ ही जमीनी और जनाधार वाले कार्यकर्ता पदाधिकारी को परखने का पैमाना भी नहीं है। इसी कारण कांग्रेस का जन आधार और आकार सिकुड़ना आगामी चुनावी समर के बाद भी नजर आएगा। ऐसा तब तक चलता रहेगा जब तक संपूर्ण कांग्रेस के पदाधिकारी राहुल की बजाए संगठन की छवि सुधारने, अनुशासन लाने और छोटे इलाकों के लोकप्रिय समर्पित कार्यकर्ता को छांटना सीख नहीं लेते।

विचार-मंथन

ट्रेनों की लेटलतीफी से यात्री परेशान...

हाल के दिनों में ट्रेनों की लेटलतीफी, इसके परिचालन में अव्यवस्था और आए दिन होने वाले हादसों से फिर यही सवाल उठा है कि आधुनिकीकरण और अंतरराष्ट्रीय स्तर की सेवा मुहैया कराने के दावे के बरक्स भारतीय रेल कहां है। फिलहाल हालत यह है कि राजधानी दिल्ली से खुलने वाली ट्रेनें समय से नहीं खुल पा रही हैं और कई-कई घंटे देरी से चल रही हैं। राजधानी एक्सप्रेस जैसी गाड़ियां भी पंद्रह-सोलह या इससे भी ज्यादा देरी से अपने गंतव्य पर पहुंचीं। यह माना जा सकता है कि बीते कुछ दिनों से घना कोहरा छाए रहने की वजह से ट्रेनों का परिचालन बाधित हुआ है, लेकिन अगर इसके अलावा भी सभी स्तरों पर अव्यवस्था दिख रही हो, तब इसके लिए किसे जिम्मेदार ठहराया जाएगा। ऐसी शिकायतों का स्पष्टीकरण प्राकृतिक कारण के रूप में नहीं दिया जा सकता कि यात्रियों के सामने खानपान की मुश्किल पैदा हो रही और ट्रेनों में साफ-सफाई अव्यवस्था का शिकार है। ऐसे में लंबी यात्रा कर रहे लोगों और उनके परिवारों और बच्चों के सामने कैसी समस्या पैदा हो रही होगी, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। मौसम की वजह से उपजी मुश्किल एक पहलू जरूर है, लेकिन व्यवस्थागत रूप से प्रबंधन बेहतर हो, तो समस्या और असुविधा कम की जा सकती है। इस मामले में रेलवे में बहुस्तरीय कमी साफ देखी जा सकती है। कहने को बीते कुछ वर्षों में कोहरे के दौरान भी ट्रेनों के परिचालन को सामान्य बनाए रखने के लिए 'फाग सेफ डिवाइस' यानी कोहरा-रोधी यंत्र के इस्तेमाल की बात कही गई, मगर आज भी अगर गाड़ियां अपने निर्धारित समय से पंद्रह-सोलह या बीस घंटे देरी से चल रही हैं तो इसकी क्या वजह है? क्या ये यंत्र वास्तव में उपयोगी नहीं हैं या फिर ट्रेनों में इसे लगाने और उचित इस्तेमाल को लेकर प्रबंधन के स्तर पर कोई कमी है? विडंबना यह है कि जब ट्रेनों के परिचालन से जुड़ी समस्या गहराने लगती है और इससे जुड़े सवाल तूल पकड़ने लगते हैं, तब सरकार या रेल महकमे की ओर से इसके हल के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल और अन्य उपाय करने की बात कही जाती है। मगर कुछ समय बाद फिर आने वाली ऐसी शिकायतें बताती हैं कि आश्वासनों पर अमल की हकीकत क्या है। पिछले कुछ सालों में पटरियों और डिब्बों की गुणवत्ता में सुधार से लेकर रेलवे के बुनियादी ढांचे के विकास के मामले में तेज आधुनिकीकरण करने का दावा किया गया है। ट्रेनों को हादसे से बचाने के लिए 'कवच प्रणाली' के सफल परीक्षण की खबरें भी आईं। तेज रफ्तार और आधुनिक तकनीक के साथ अन्य सुविधाओं से लैस ट्रेनों के संचालन की शुरुआत लोगों के बीच उम्मीद जगाने के लिहाज से अच्छी बातें हैं। मगर पिछले कुछ समय के दौरान लगातार ट्रेनों के पटरियों से उतरने की घटनाएं जिस तरह आम हो गई हैं, कई बड़े हादसे सामने आए, वे बताते हैं कि केवल संसाधनों के स्तर पर कमी को दूर करने के दावे से सेवा की गुणवत्ता में सुधार लाना संभव नहीं है। प्रबंधन के मामले में जब तक कोताही या लापरवाही बरती जाएगी, तब तक यात्रियों को बेहतरीन सुविधा मुहैया कराने की बातें बेमानी ही रहेंगी। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि ट्रेन यात्रा आज लगातार महंगी होती जा रही है और साधारण लोगों के लिए उसमें जगह सिमट रही है। त्योहारों के मौके पर रेलवे स्टेशनों पर जितनी बड़ी तादाद में लोग अपने गांव-घर जाने के लिए जमा होते हैं, उससे पता चलता है कि जरूरत के मुकाबले ट्रेन सुविधाओं की हालत क्या है।

तिनकों की तरह बिखरता जा रहा है विपक्षी गठबंधन

- डॉ. आशीष वशिष्ठ

इंडी गठबंधन के बारे में राजनीति की समझ रखने वाले अधिकतर व्यक्तियों के अनुमान सही साबित हुए। गठबंधन की पहली बैठक के बाद से ही उसके भविष्य के बारे में जो कुछ कहा जा रहा था, वो शब्दशः धरती पर उतरता दिख रहा है। वास्तव में, इंडी नामक विपक्षी गठबंधन में चूंकि वैचारिक साम्यता नहीं है इसीलिए इसकी एकजुटता प्रारंभ से ही संदिग्ध रही है। उससे जुड़े दल मोदी विरोध पर तो एकमत हैं किंतु आपसी विश्वास नजर नहीं आने से एक कदम आगे, दो कदम पीछे वाली स्थिति बनी हुई है। एक तरफ तो भाजपा अपनी व्यूह रचना मजबूत करती जा रही है वहीं विपक्षी दलों में सीटों के बंटवारे की गुत्थी उलझती जा रही है। सीट के बंटवारे की वेला समीप आते ही, गठबंधन तिनकों की तरह बिखरता जा रहा है। भारतीय राजनीति का इतिहास खंगालें तो पिछले 75 वर्षों में न जाने कितने गठबंधन बने और बिखरे, और पुनः बने। चूंकि विपक्ष की नियति टूटने की है, लिहाजा बार-बार गठबंधन करना पड़ता है। यह नियति हम जनता पार्टी के दौर से देखते आ रहे हैं। 2014 में केंद्र में मोदी सरकार के गठन के बाद से हर बीतते वर्ष के साथ विपक्ष की राजनीति की कांति लगातार प्रभावहीन हो रही है। मोदी सरकार के नौ वर्षों के कामकाज के बाद विपक्ष ने बड़ा साहस और शक्ति जुटाकर इंडिया गठबंधन का गठन किया था। गठबंधन के बाद विपक्ष ने मीडिया और प्रचार तंत्र के माध्यमों से ऐसा वातावरण और संदेश देने का काम किया था कि इस गठबंधन के सामने भाजपानीत एनडीए गठबंधन टिक नहीं पाएगा। लेकिन गठबंधन की पहली बैठक के समय से ही जिस तरह की चालाकी और व्यवहार गठबंधन में शामिल घटक दलों के नेता एक दूसरे के साथ कर रहे थे, उससे ऐसा प्रतीत हो रहा था कि इस गठबंधन की आयु दीर्घ नहीं होगी। लेकिन इतनी छोटी होगी कि वो चुनाव से पहले ही बिखर जाएगा, इसकी उम्मीद तो किसी को भी नहीं थी। विपक्षी गठबंधन अपने अस्तित्व के लगभग सात माह के दौरान चाय-नाश्ते पर बैठकें तो कर सका, लेकिन सीटों के बंटवारे, सचिवालय, संयोजक, साझा न्यूनतम कार्यक्रम, साझा नारा, ध्वज आदि पर आज तक सहमत नहीं हो सका है। अब तो अलगाव की नौबत भी आ गई है। बंगाल के अलावा, पंजाब की घोषणा भी अलगाववादी है। बिहार से भी जो समाचार आ रहे हैं, उनके मुताबिक नीतीश कुमार इंडिया गठबंधन का साथ छोड़कर एनडीए का हिस्सा बन सकते है। विपक्ष के सामने चुनौती है कि कैसे भाजपा को लगातार तीसरी बार चुनाव जीतने से रोका जाए और तमाम सर्वे कह रहे हैं कि प्रधानमंत्री देश के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। ऐसी स्थिति में मोदी का मुकाबला कैसे होगा ये अहम प्रश्न है? पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस और पंजाब में भगवंत मान ने आम आदमी पार्टी की ओर से घोषणाएं की है कि वे अकेले ही सभी सीटों पर लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। कांग्रेस के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा। अलबत्ता उन्होंने इंडिया का हिस्सा बने रहने की भी घोषणाएं की है। अपने प्रभाव क्षेत्रों के बाहर गठबंधन के मायने क्या हैं? यदि ये घोषणाएं अंतिम हैं, तो भाजपा की चुनावी संभावनाएं बढ़ सकती हैं। ममता और भगवंत मान दोनों ही अपने-अपने राज्य के मुख्यमंत्री हैं। आश्चर्य यह है कि बंगाल में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, के प्रति अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते रहे हैं। वह छुटभैया नेता नहीं हैं, बल्कि लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता हैं। वह ममता बनर्जी को अवसरवादी नेता करार देते रहे हैं और बार-बार बयान देते है कि ममता कांग्रेस की कृपा और मदद से ही पहली बार सत्ता में आई थीं। कांग्रेस अकेले ही चुनाव लड़ने में सक्षम है। ममता इंडिया की भीतरी राजनीति से क्षुब्ध थीं। उनके प्रत्येक प्रस्ताव को खारिज किया गया। गठबंधन में वाममोर्चे के नेताओं का प्रभाव ज्यादा है। ममता का आरोप है कि राज्य में कांग्रेस की रैलियां की जा रही हैं। उनके खिलाफ जहर उगला जा रहा है। राहुल गांधी की न्याय यात्रा की न तो उन्हें जानकारी दी गई और न ही कोई आमंत्रण मिला। बंगाल में न्याय यात्रा और राहुल गांधी के जो पोस्टर लगाए गए थे, ममता की घोषणा के बाद उन्हें फाड़ना शुरू कर दिया गया। दोनों दलों के बीच विषैला अलगाव इस सीमा तक पहुंच चुका है। अंततः ममता ने फैसला किया कि उनकी तृणमूल कांग्रेस पार्टी, कांग्रेस के साथ, कोई गठबंधन नहीं करेगी और सभी 42 लोकसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। हालांकि कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने बयान देकर पार्टी का नरम रुख जताया कि ममता के बिना इंडिया गठबंधन की कल्पना तक नहीं की जा सकती। बहरहाल, तृणमूल कांग्रेस बंगाल की सबसे मजबूत राजनीतिक ताकत है। 2019 के आम चुनाव में 43 फीसदी से ज्यादा वोट हासिल कर उसके 22 सांसद जीते थे, जबकि कांग्रेस के 5.5 फीसदी वोट के साथ मात्र 2 सांसद ही संसद तक पहुंच पाए थे। वाममोर्चे को करीब 7.5 फीसदी वोट मिले थे, लेकिन सांसद के तौर पर शून्य ही नसीब हुआ। भाजपा को 40 फीसदी से ज्यादा वोट मिले थे और उसके पहली बार 18 सांसद चुने गए। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा है कि पंजाब के सीटों पर किसी से समझौता नहीं होगा। आम आदमी पार्टी ने पंजाब में 13 लोकसभा सीटों के लिए करीब 40 उम्मीदवार शार्ट लिस्ट किए हैं। आम आदमी पार्टी 13 लोकसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों के लिए सर्वे करवा रही है। कांग्रेस ने साल 2019 में राज्य में आठ लोकसभा सीटें जीती थीं, जबकि आप ने केवल एक सीट जीती थी। वहीं 2022 के पंजाब विधानसभा चुनाव में आप ने पंजाब में 92 सीटें जीतीं, जबकी 2017 में उसके 20 उम्मीदवार जीते थे। उसका वोट शेयर बढ़कर 42.4 प्रतिशत हो गया था। इसी के साथ कांग्रेस को सत्ता गंवानी पड़ी थी। कांग्रेस को सिर्फ 18 सीटें मिली थीं। बिहार में अटकलें तेज हैं कि मुख्यमंत्री और जनता दल यूनाइटेड प्रमुख नीतीश कुमार राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस के साथ महागठबंधन को छोड़कर एक बार फिर एनडीए में जा सकते हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने जेडीयू और लोकजनशक्ति पार्टी के साथ गठबंधन करके 54.40 प्रतिशत वोट हासिल कर बिहार की 39 लोकसभा सीट जीती थीं। इस दौरान एनडीए को मिले 54.40 प्रतिशत मत में 22.3 फीसदी वोट नीतीश की पार्टी जेडीयू का था। जबकि महागठबंधन का वोट शेयर 31.40 प्रतिशत था।

पैसों की कमी से जूझ रही भारत में उच्च शिक्षा

-डा. वरिन्द्र भाटिया

हाल ही में पंजाब के जालंधर जिले के एक वुमेन कॉलेज को न्याय प्रणाली द्वारा शिक्षाविदों को वेतन इत्यादि से जुड़े, कई वर्षों के बकाया, कई करोड़ रुपए देने के आदेश दिए गए हैं। देश के अनेक कालेज उच्च शिक्षा के लिए पैसों की कमी के कारण समय पर वेतन तक देने में असमर्थ हैं हालांकि उत्तर भारत में छात्रों का विदेश जाने का रुख भी काफी हद तक जिम्मेवार है जिससे ऐसे संस्थानों के पास पैसे की तंगी हो गई है। इसके साथ ही काफी जगह पर उच्च शिक्षा संस्थानों में अकादमिक गुणवत्ता का गिराव भी छात्रों की घटती संख्या के लिए जिम्मेदार है अनेक विश्वविद्यालयों की हालत भी कुछ ऐसी ही है। इस समय देश में उच्च शिक्षा का एक व्यापक तंत्र मौजूद है। करीब 4.2 करोड़ से अधिक नामांकन के साथ हमारे देश में उच्च शिक्षा हासिल करने वाले छात्रों की संख्या, दुनिया के तीन-चौथाई देशों की आबादी से भी अधिक है। भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली न केवल बड़ी है बल्कि विश्व में इसमें सबसे अधिक विविधता भी है। इसे और पुख्ता और मजबूत बनाने की जरूरत है। देश में उच्च शिक्षा की हालत को बेहतर बनाने के लिए कुछ सुझाव है उच्च शिक्षा से जुड़ी कोई भी नीति बनाते समय बड़ी और विविध उच्च शिक्षा प्रणाली की जरूरतों का ध्यान रखना चाहिए। इसमें गुणवत्ता एक प्रमुख चुनौती है जो पिछले 40 वर्षों में निजी व्यावसायिक शिक्षा में बड़ी वृद्धि का प्रत्यक्ष परिणाम है। कई दशकों से हमने इस तंत्र में गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए नियमन के प्रयास किए हैं जो सफल नहीं रहे हैं। इसके कारण तलाशे जाने चाहिएं। ऐसे में अच्छा होगा कि हम उच्च शिक्षा संस्थानों को खुद तय करने दें कि वे कौन का विषय पढ़ाएंगे, कितने छात्रों को दाखिला देंगे, क्या शुल्क लेंगे और कैसा पाठ्यक्रम अपनाएंगे? राज्य को अपनी भूमिका, संस्थानों की गुणवत्ता के आकलन तक सीमित रखनी चाहिए और सरकारी तथा निजी दोनों क्षेत्रों में शोध की फंडिंग में वृद्धि करनी चाहिए। इसके साथ ही मानविकी तथा सामाजिक विज्ञान में निवेश बढ़ाना चाहिए। इतनी बड़ी और विविध उच्च शिक्षा प्रणाली के लिए यह जरूरी है कि राज्य की भूमिका कुछ विशिष्ट क्षेत्रों तक सीमित हो। करीब 6,000 इंजीनियरिंग कॉलेज और 3,000 प्रबंधन संस्थान मुख्य रूप से राज्य सरकार के विश्वविद्यालयों के अंतर्गत संचालित होते हैं। उनकी गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए मूल्यांकन और प्रमाणन कार्यक्रम, अनिवार्य तौर पर लागू करने की आवश्यकता है जो सार्वजनिक हो। क्यों न कॉलेजों को अपनी पसंद के क्षेत्रों, विषयों और छात्रों के साथ विस्तार का मौका दिया जाए ताकि वे एक-दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा करें। भारतीय छात्र अब विश्व स्तर पर 200 से अधिक देशों में पढ़ते हैं। उज्बेकिस्तान, फिलीपींस, रूस, आयरलैंड और किर्गिस्तान जैसे देशों में रुचि बढ़ रही है। मीडिया सूचनाओं के अनुसार कुल मिलाकर, 11.30 लाख से अधिक भारतीय छात्र वर्तमान में विदेशी कॉलेजों में पढ़ रहे हैं। दूसरी ओर 2021 में भारत में केवल 48,000 विदेशी राष्ट्रीय छात्रों का नामांकन हुआ, जिनमें पड़ोसी देशों से आने वाले छात्रों की संख्या सबसे अधिक थी। देश के राज्यों को चाहिए कि विश्वविद्यालयों को प्रवेश, भर्ती और दी जाने वाली डिग्री से जुड़ी सभी पाबंदियों से मुक्त करके, उन्हें प्रतिस्पर्धा करने का मौका देना चाहिए। इससे उनकी पैसों की कमी का थोड़ा बहुत हल निकल सकेगा जैसा कि नई शिक्षा नीति 2020 में प्रस्तावित है पैसों की कमी से दो-चार हो रहे कुछ छोटे कॉलेज एक सिस्टम बना कर एकीकृत किए जा सकते हैं। देश के अनेक राज्यों द्वारा सरकारी सहायता प्राप्त कॉलेज के स्टाफ को पूर्ण सरकारी संस्थानों में एडजस्ट करना बेहतर साबित हो रहा है। राजस्थान हरियाणा इत्यादि अनेक राज्यों में इसके बेहतर परिणाम सुनने मे आ रहे हैं। इससे ऐसे फंड्स की कमी का सामना कर रहे अनेक एडेड कॉलेज सैल्फ फाइनांस पद्धति पर बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं और अपनी वित्तीय हालत सुधार सकते हैं। एक कटु सत्य यह भी है कि राज्य सरकारों द्वारा उच्च शिक्षा से जुड़े प्रशासनिक भ्रष्ट आचरण पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है। अंत में कहेंगे कि सभी स्तर पर संजीदा प्रयास किए जाएं कि देश में उच्च शिक्षा से जुड़े शिक्षक और छात्रों के स्वर्णिम भविष्य के लिए सभी राज्यों में उच्च शिक्षा पैसे की कमी से न जूझे।

राजनीतिक दलों में पद और कद को लेकर महत्त्वाकांक्षाओं का टकराव शुरू

देश में राजनीतिक गठबंधनों का बनना और बिखरना कोई नई बात नहीं है। विडंबना यह है कि महज चुनाव की चुनौतियों का सामना करने के मकसद से इस तरह के साथ कई बार तात्कालिक नफा-नुकसान के गठजोड़ साबित होते हैं। कुछ समय पहले जब कांग्रेस और कई अन्य विपक्षी दलों को साथ मिला कर 'इंडिया' नाम से एक समूह का गठन किया गया था, तब लगा था कि भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को आगामी आम चुनावों में खासी चुनौती मिल सकती है।मगर उससे पहले ही नए बने विपक्षी गठबंधन में कुछ दलों की ओर से जिस तरह की जद्दोजहद, चुनावी सीटों की संख्या को लेकर खींचतान देखने में आ रही है, उससे यही लगता है कि इस समूह में सिद्धांत के आधार पर साथ आने की सहमति शायद नहीं बन पाई है, बल्कि इसमें शामिल कुछ दलों पर फिलहाल अपनी सीटें बढ़ा कर राजनीतिक शक्ति बढ़ाने की मंशा हावी है।गठबंधन में शामिल कुछ दलों के बीच स्पष्ट मतभेद और दूरी के संकेत तब सामने आए, जब बुधवार को तृणमूल कांग्रेस की शीर्ष नेता ममता बनर्जी ने बंगाल में सभी सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी तो दूसरी ओर पंजाब में आम आदमी पार्टी ने भी यही राग दोहराया।दरअसल, राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के बंगाल में आयोजित किए जाने के बारे में शिष्टाचार के नाते भी सूचित नहीं करने से लेकर कांग्रेस की ओर से अपने कई प्रस्ताव ठुकरा दिए जाने के दावे के साथ ममता बनर्जी ने एक तरह से अपनी नाराजगी छिपाई नहीं। उन्होंने सख्त भाषा में यहां तक कह डाला कि मुझे इस बात की चिंता नहीं है कि देश में क्या किया जाएगा। बंगाल में तृणमूल कांग्रेस एक धर्मनिरपेक्ष पार्टी है और वह अकेले ही भाजपा को हरा देगी।जाहिर है, यह नए बने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के लिए एक तरह से झटका है, क्योंकि देश की राजनीति में ममता बनर्जी का अपना एक प्रभाव रहा है और अब वे विपक्ष की राजनीति के लिए एक महत्त्वपूर्ण कड़ी मानी जाती हैं। शायद यही वजह है कि उनके ताजा रुख और उससे जुड़ी आशंकाओं के सामने आते ही कांग्रेस सहित विपक्ष के कई अहम नेताओं की ओर से ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस को गठबंधन का महत्त्वपूर्ण हिस्सा बताते हुए इस मसले का हल निकाल लेने की बात कही गई है। मगर इसके अलावा भी खबर आई कि गठबंधन में शामिल आम आदमी पार्टी के नेता और पंजाब के मुख्यमंत्री ने राज्य की सभी तेरह लोकसभा सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने की बात कही है।सवाल है कि जब आम चुनावों के दिन करीब रहे हों और उसी मुताबिक विपक्ष को अपनी तैयारी करने की जरूरत है, वैसे में इस तरह की स्थितियां क्यों पैदा हो रही हैं, जिसमें गठबंधन के भविष्य को लेकर आशंकाएं पैदा हो रही हैं! देश के राजनीतिक परिदृश्य में जैसी चुनौतियां खड़ी हो रही हैं, उसमें एक सशक्त विपक्ष लोकतंत्र को मजबूत करने में मददगार साबित हो सकता है।फिलहाल भाजपा के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन अपने सामने कोई चुनौती नहीं मान रहा है। अगर विपक्षी दलों ने मिल कर उसका सामना करने के लिए कोई समूह बनाया है, तो उसकी प्राथमिकताएं क्या होनी चाहिए? पिछले कुछ समय से 'इंडिया' समूह में जैसी खींचतान देखी जा रही है, उससे यही लगता है कि इसमें शामिल सभी पार्टियों को सबसे पहले सैद्धांतिक कसौटी पर साथ होने को लेकर प्रतिबद्धता कायम रखनी होगी। मगर राजनीतिक दलों के गठबंधनों के भीतर पद और कद को लेकर जिस तरह की महत्त्वाकांक्षाओं का टकराव देखा जाता रहा है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5131

			2	4		6		
9								3
1					3		4	5
5	6			7		1		
		4	8		5	9		
		1		6			5	2
6	9		5					1
4								9
		8		9	6			

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5130

4	1	6	9	2	3	5	8	7
5	8	2	4	1	7	6	9	3
3	9	7	6	8	5	4	1	2
7	3	9	1	6	4	2	5	8
1	5	8	3	7	2	9	4	6
6	2	4	8	5	9	7	3	1
9	7	3	2	4	1	8	6	5
2	6	1	5	9	8	3	7	4
8	4	5	7	3	6	1	2	9

वर्ग पहेली 5131

संकेत: बाएं से दाएं
1. 1870 को इस देश में पहली अंतरदेशीय रेल सेवा की शुरूआत हुई (4)
6. मछली, मत्स्य (2)
7. अंजनानंदन का एक द्वारपाल जो पुराणानुसार हनुमान का पुत्र माना जाता है (5)
9. अस्वीकार करना, वचन तोड़ना (4)
11. बहुत थका, उत्साह भंग होने का भाव, साहस टूटना (2)
12. नाती का अपभ्रंश, पोता दादा (2)
14. भिक्षा मांगने वाला, भिक्षुक (3)
16. अलमस्त, बिंदास, मनमस्त (4)
18. यह संसार की सबसे लंबी नदी है, श्रीराम की सेना का एक वानर (2)
19. गर्व, घमंड, फख्र (2)
20. व्यंग्य, आक्षेप वाक्य, कटाक्ष (2)
21. साहसी पुरुष, बहादुर, पराक्रमी (2)
23. तगा, तेरा धागा (2) (2)
24. जमींदारी, इलाका (3)

ऊपर से नीचे
1. भारत के एक लोकप्रिय पूर्व रेडियो उद्घोषक (6)
2. प्रसिद्ध अप्सरा जिसे विश्वामित्र की कठोर तपस्या से डरकर इंद्र ने उनके तप-भंग करने के लिए भेजा था (3)
3. हसरत, आरजू, तमन्ना (3)
4. अभिभावक, रक्षक, संरक्षण देने वाला (5)
5. प्रतिदिन, नित्य (2)
8. नष्ट, बर्बाद, ध्वंस (2)
10. काव्य मर्मज्ञ, जो रस पान करे, रस लेने वाला (3)
12. किसी कार्य के लिए किसी का नाम निश्चित करने की क्रिया (5)
13. कंठहार, पर्वत श्रेणी, तारतम्य, मुरली (2)
15. प्रज्वलित, कारा फलक (4)
17. इस्लाम धर्म का विद्वान, बच्चों का पढ़ाने वाला, धर्म दीक्षक (3)
22. हानि, आक्रमण, आपत्ति, हानि आदि से बचाव (2)

वर्ग पहेली 5130 का हल

बं	द	हो	का	र	आ	ज	द
द	■	बी	ल	■	का	न	म
हो	र	■	ना	लि	श	■	द
ल	ला	त	■	■	न	या	ना
र	ज	ज	■	आ	ना	■	ना
■	मा	ह	■	क	■	सु	■
ति	■	आ	ज	म	■	का	ना
लो	मा	■	य	म	ई	य	ता

आज का राशिफल

मेष

वृषभ

मिथुन

कर्क

सिंह

कन्या

तुला

वृश्चिक

धनु

मकर

कुंभ

मीन

नेशनल मीडिया फाउंडेशन द्वारा भोपाल मे भारतीय पत्रकारिता स्थापना दिवस पर आयोजन ...

राष्ट्रीय उत्कृष्ट पत्रकारिता पुरस्कार से अग्रवाल सम्मानित

मंदसौर 30 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। नेशनल मीडिया फाउंडेशन नई दिल्ली के तत्वाधान में मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ द्वारा संयुक्त रूप से भारतीय पत्रकारिता स्थापना दिवस के उपलक्ष में राष्ट्रीय सम्मान समारोह का आयोजन मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में राष्ट्रीय संत बालयोगी श्री उमेश नाथ जी महाराज उज्जैन के सानिध्य में तथा मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ।

विधायक विश्रांति ग्रह स्थित शहीद भवन में आयोजित समारोह में विशेष वक्ता के रूप में मध्य प्रदेश भाजपा मीडिया प्रभारी श्री आशीष अग्रवाल उपस्थित थे। अध्यक्षता नेशनल मीडिया फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राजेंद्र जैन ने की तथा मंच पर नेशनल मीडिया फाउंडेशन के मध्य प्रदेश के अध्यक्ष श्री नरेंद्र अग्रवाल, राष्ट्रीय महासचिव श्री आर बी सिंह, वरिष्ठ पत्रकार श्री देवेन्द्र पवार नई दिल्ली, राष्ट्रीय उपभोक्ता संरक्षण के अध्यक्ष श्री हरिशंकर शुक्ला मंचस्थ थे।समारोह में पत्रकारिता ओर समाज कल्याण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पत्रकार और गणमान्य महानुभावों का सम्मान किया गया जिसमे अतिथियों ने राष्ट्रीय उत्कृष्टपत्रकारिता पुरस्कार से मंदसौर के वरिष्ठ पत्रकार एवं दैनिक जनसारंगी के प्रधान संपादक श्री नरेंद्र अग्रवाल को शाल ओढ़ाकर श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय संत बाल योगी श्री उमेश नाथ जी महाराज ने कहा कि आज के इस दौर में पत्रकारिता करना काफी सरल भी हुआ है तो सची पत्रकारिता और कठिन होती जा रही है। सचाई लिखने वाले पत्रकार हमेशा से जिनके खिलाफ लिखते हैं ओर अपनी कलम के माध्यम से आवाज उठाते हैं उनको कोप का भाजन होना पड़ता हैं लेकिन ऐसे पत्रकारों का हौसला अपजाई करना भी हम सब का दायित्व है और इस दायित्व को बखूबी नेशनल मीडिया फाउंडेशन निभा रहा है जो कि प्रतिवर्ष भारतीय पत्रकारिता का स्थापना दिवस मनाता है और वर्ष भर में पत्रकारों के लिए अनेक सकारात्मक आयोजन भी करता है। महाराज श्री ने कहा कि पत्रकारिता और समाज सेवा की डगर काफी चुनौती पूर्ण है और इसी चुनौती पूर्ण डगर में जो भी पत्रकार अपने पत्रकारिता के धर्म का पालन कर रहे हैं ऐसे पत्रकारों ओर समाज सेवियों को नेशनल मीडिया फाउंडेशन द्वारा समय-समय पर सम्मानित कर अन्य लोगों में कार्य करने का उत्साह पैदा किया जाता है।

समारोह के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने भारतीय पत्रकारिता स्थापना दिवस के अवसर पर पत्रकारों को बधाई देते हुए कहा कि नेशनल मीडिया फाउंडेशन ने पत्रकारिता दिवस पर समारोह का आयोजन कर एक श्रेष्ठ कार्य किया है और उससे भी बढ़कर श्रेष्ठ कार्य उत्कृष्ट पत्रकारिता एवं समाज सेवा के क्षेत्र में कार्य करने वालों का सम्मान करके किया है किसी भी व्यक्ति का यदि अच्छे कार्य करने हेतु सम्मान किया जाता है तो अन्य लोगों को भी अच्छा कार्य करने की प्रेरणा मिलती है उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि पत्रकारों के माध्यम से ही शासन की जनकल्याणकारी एवं विकास कार्य योजनाएं जन-जन तक पहुंचती है इसलिए मध्य प्रदेश सरकार पत्रकारों के हमेशा साथ है। समारोह में पत्रकारिता एवं समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्टयोगदान देने वाले देने वाले देने वालों का सम्मान किया गया जिसमें राष्ट्रीय उत्कृष्ट पत्रकारिता ओर समाज सेवा सम्मान में मंदसौर से नरेंद्र अग्रवाल तथा मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के अन्य जिलों से श्री सत्यनारायण पाठक , श्री राम चंद्र ठाकुर, एम ए अजीज, बाबूजी बी पी अहिरवार, अमोल धनराज गुजर, राजीव चतुर्वेदी, ए एल डी बुंदेला को अतिथियों ने किया सम्मानित।

महात्मा गांधी को शांति और अहिंसा के लिए एक वैश्विक प्रतीक के रूप में जाना जाता है - डॉ तोमर

शहर कांग्रेस ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि मनाई

मंदसौर 30 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि मन्दसौर शहर ब्लॉक कांग्रेस मंदसौर द्वारा उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर मनाई गई इस अवसर पर शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष डॉ राघवेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि भारत के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एक महान नेता, विचारक और समाज सुधारक थे। उन्होंने अपने जीवन के दौरान सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता और मानव अधिकारों के लिए काम किया। उन्होंने भारत में महिलाओं, दलितों और गरीबों के अधिकारों के लिए भी लड़ाई लड़ी,गांधीजी की विरासत आज भी जीवित है। उनके विचार और सिद्धांत दुनिया भर में लोगों को प्रेरित करते हैं श्र

30 जनवरी, 1948 को, गांधीजी की नई दिल्ली में नाथूराम गोडसे द्वारा हत्या कर दी गई थी,उनकी पुण्यतिथि को भारत में शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है। भारत को अंग्रेजों की गुलामी से

आजाद कराने में गांधी जी का बहुत बड़ा योगदान रहा है।इस अवसर पर उपस्थित सभी कांग्रेस जनों ने उनके बताएं मार्ग पर चलने का संकल्प किया। इस अवसर पर शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर, जिला कांग्रेस के पदाधिकारी सर्वश्री देवेंद्र योगी, अजय लोढ़ा, राजनारायण लाड़, साबिर नीलकर, राजेश फरक्या, व्यापार प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष निर्विकार रातडिया, सेवादल जिला अध्यक्ष दिलीप देवड़ा शहर ब्लॉक कांग्रेस कार्यवाहक अध्यक्ष अंबालाल हींगोरिया, सलीम खान,मंडलम अध्यक्ष में सर्वश्री रमेश ब्रिजवानी, दशरथ सिंह राठौड़, रवि विनायका,घनश्याम चौहान, सादिक गोरी आदि इस अवसर पर उपस्थित थे श्र संचालन रमेश ब्रिजबानी ने किया तथा आभार राजनारायण लाड़ ने माना।

शहीद दिवस पर नगर में निकली गांधी फेरी

मंदसौर 30 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर 30 जनवरी को शहीद दिवस पर कांग्रेस के वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष कांतिलाल राठौर के नृतत्व में गांधी फेरी का आयोजन किया गया।

यह गांधी फेरी प्रात: 6.30 बजे गांधी भवन गांधी प्रतिमा के समक्ष से प्रारंभ हुई ,जो नगर के प्रमुख मार्ग बस स्टैंड, घंटाघर, शुक्ला चौक ,नयापुरा मार्ग, महाराणा प्रताप बस स्टैंड, सरदार पटेल चौराहा, इंदिरा गांधी जिला चिकित्सालय मार्ग होते हुए गांधी चौराहा पहुंचकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी प्रतीमा के समक्ष सम्पन्न हुई। यहां उपस्थित सभी गांधी मित्रों ने गांधी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की, गांधी फेरी में गांधी जी के प्रिय भजन का गायन हो रहा था।

गांधी फेरी में गांधीवादी सर्वश्री राजेश तिवारी, कांतिलाल राठौर, जगदीप सिंह राजपूत, राघवेंद्र सिंह तोमर, सलीम खान, अंबालाल हिंगोरिया, रमेश बिजवानी, दिलीप देवड़ा एडवोकेट, दशरथ सिंह, दिलीप कक्षारा एडवोकेट, संतोष प्रजापति एडवोकेट,

भेरूलाल कुमावत एडवोकेट, भाई आरिफ हुसैन, उमेश शर्मा, चेतन शर्मा, महेश शर्मा, घनश्याम चौहान, ऋषि जैन, वीरेश्वर राठौर, अरुण राठौर, बंटी डगवार, श्रेयांश नाहर, चेतन राठौड़ आदि गांधी मित्रों ने भाग लिया।

मूल अधिकार एवं कर्तव्य जागरूकता शिविर का आयोजन संपन्न

दलौदा 30 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। शासकीय महाविद्यालय दलोदा में राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर द्वारा प्रसारित कार्य योजना 2023-24 में मूल कर्तव्य जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत दिनांक 30/1/2024 को स्थानीय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष हेमंत जी धनोतिया की अध्यक्षता में और महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. डीसी गुप्ता के मार्गदर्शन में निबंध लेखन, स्लोगन एवं वाद विवाद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

उक्त कार्यक्रम के संयोजक डॉ. जसवंत कारपेंटर ने स्वागत भाषण देते हुए विद्यार्थियों को मौलिक अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहने के लिए कहा। महाविद्यालय के प्रो. विकास प्रजापति ने विद्यार्थियों को महाविद्यालय के प्रति अपने कर्तव्यो का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया। वाद विवाद प्रतियोगिता में विषय के पक्ष में छात्रा राखी एवं विपक्ष में रचना पाटीदार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में तृप्ति मेहता एवं निबंध लेखन में निकिता भाटी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। उक्त जानकारी प्रो. राजेश कुमार हाडा द्वारा दी गयी।

एजेंसियों को गैस सिलेंडर के उपयोग के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी समय-समय पर ग्राहकों को देना चाहिए- पाण्डेय

मंदसौर 30 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। सामाजिक कार्यकर्ता एवं सक्षम के मालवा प्रांत सचिव डॉ. रविन्द्र पाण्डेय ने पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री श्री हरदीप एस पुरी से मांग की है कि आज के दौर में एलपीजी गैस इंधन के रूप में प्राय: अधिकांश घरों में प्रयोग किया जा रहा है। अति ज्वलनशील होने के कारण अगर इसके उपयोग में थोड़ी सी भी लापरवाही बरती गई तो यह काफी घातक सिद्ध हो सकती है। ऐसा ही मंदसौर नगर में राजीव कालोनी संजीत रोड रेलवे ओवरब्रिज के पास बहुत ही दुखद हादसा हुआ जिसमे श्रीमती पुष्पा बाई पति राजेश पोरवाल की बहुत ही दुखद म्रत्यु हो गई व पति बुरी तरह घायल हुआ है। ऐसे हादसों से बचाव के लिये पुख्ता कदम उठाये जाना जरूरी है।

रविन्द्र पाण्डेय ने कहा कि जिले में संचालित गैस एजेंसी व पेट्रोलियम कंपनियों के कर्मचारियों द्वारा इसके उपयोग के समय बरती जाने वाली सावधानियों व सुरक्षा के उपाय में कोई जानकारी नहीं दी जाती। जिससे अधिकांश लोग इससे अनजान हैं। विशेषकर ग्रामीण अंचल में रहने वाली महिलाएं तो इसके रख-रखाव और सावधानियों के बारे में बिल्कुल अनजान हैं। रसोई गैस का उपयोग करने वाले थोड़ी सी सावधानी बरतकर होने वाले हादसे को टाल सकते हैं। समय-समय पर सुरक्षा को लेकर जागरूकता अभियान चलाना चाहिए। पर एजेंसी संचालक इसमें रुचि नहीं लेते। न ही वे कनेक्शन लेने जाने वाले ग्राहकों को इस बारे में कोई विस्तार से जानकारी देते हैं।

रविन्द्र पाण्डेय ने गैस इधन का उपयोग करने वाले परिवारों को इन बातों का ध्यान रखने का विशेष की सलाह दी है जिस अनुसार गैस सिलेंडर को बंद कमरे में न रखें। सिलेंडर को हमेशा खुले में या फिर ऐसे कमरे में रखे जिसमे खिड़की और दरवाजे खुले हों। सिलेंडर को जिस जगह पर रखें वहां पर इतनी जगह होने चाहिए कि प्रेशर रेगुलेटर का नॉब और रबर की ट्यूब को हिलाने में परेशानी न हो। इसके अलावा सिलेंडर को हमेशा सीधा खड़ा रखें और उसके वाल्व को ऊपर की तरफ ही रखें।

आपने दुर्घटनाओं से बचाव मे कुछ बातों का ध्यान रखने की सलाह देते हुए कहा कि आईएसआई मानक निशान देखकर ही सामान ले। एलपीजी के इस्तेमाल के लिए आप जो भी सामान खरीदते हैं, उनपर आईएसआई मानक का निशान जरूर देख लें। इनको बाहर से न लें, सिर्फ पंजीकृत विक्रेता से ही लें। ट्यूब का इस्तेमाल केवल दो साल ही करें इसके बाद इसे बदल कर नयी ट्यूब ले लें। पुरानी ट्यूब का ज्यादा समय तक इस्तेमाल करना खतरनाक हो सकता है यह दुर्घटना का कारण बन सकती है। प्रेशर रेग्युलेटर को भी समय-समय पर चेक करते रहे क्योंकि इसका काम बहुत ही महत्वपूर्ण है और गैस के दबाव को नियंत्रित करता है। गैस का प्रयोग करने के बाद रेग्युलेटर के नॉब को बंद कर देना चाहिए। ग्राहकों को कनेक्शन देते वक्त जो दस्तावेज दिए जाते हैं, उनमें एक पंपलेट भी अनिवार्य होना चाहिए,जैसे हवाई यात्रा के समय जानकारी दिजाती है। जिसमें सुरक्षा से जुड़ी बातों को बताया गया हो उसमें चित्र के माध्यम से भी जानकारियां दी गई हो लोगों को इसे पढ़कर पूरी सावधानी से एलपीजी का उपयोग करना चाहिए।

राजस्व महाअभियान के तहत शत प्रतिशत नक्षा तरमीम का लक्ष्य पूर्ण करें-जैन

कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों की बैठक में राजस्व महाअभियान की प्रगति की समीक्षा की

नीमच 30 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश के साथ ही नीमच जिले में चलाए जा रहे, राजस्व महाअभियान के तहत नक्षा तरमीम के लिए निर्धारित लक्ष्यी की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित की जाए। सभी राजस्वअ अधिकारी आगामी एक सप्तारह तक नक्क्षा तरमीम के कार्य को सर्वोच्चप प्राथमिकता से करवाये। राजस्वक महाअभियान के तहत सभी पैरा मीटर्स पर जिले की रैकिंग सुधारने पर विशेष ध्योान दें। यह निर्देश कलेक्टयर श्री दिनेश जैन ने मंगलवार को कलेक्टोकरेट सभाकक्ष नीमच में जिले के सभी राजस्वा अधिकारियों की बैठक में राजस्वग महाअभियान की प्रगति की बिन्दुंवार,तहसीलवार समीक्षा करते हुए दिए। बैठक में एडीएम सुश्री नेहा मीना, एसडीएम नीमच, जावद तथा सभी तहसीलदार एंव नायब तहसीलदार उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर श्री जैन ने निर्देश दिए, कि राजस्वि अधिकारी प्रधानमंत्री किसान सम्माहन निधि के तहत शेष रहे,खातेदारों के आधार,बैंक खाते से लिंक करवाये। अविवादित नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, के प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करें। समय-सीमा से बाहर हो गये, प्रकरणों को सर्वोच्चर प्राथमिकता से एक सप्तासह में निराकृत करें। कलेक्टार ने निर्देश दिए, कि सभी राजस्व अधिकारी सीमांकन के लंबित सभी प्रकरणों का तत्कोल निराकरण करवाकर, आरसीएमएस में दर्ज करवाये। विवादित नामांतरण, बंटवारा के प्रकरणों में 7 दिवस की विज्ञप्ति का प्रकशन कर, प्रकरणों का निराकरण करें।

एडीएम सुश्री नेहा मीना ने राजस्वो अधिकारियों को निर्देश दिए, कि जिले में कोई भी फौती नामांतरण, बंटवारा का प्रकरण लंबित ना रहे। शत-प्रतिशत फौती नामांतरण सुनिश्चित करवाये। एडीएम ने सख्तं निर्देश दिए, कि राजस्वर महाअभियान के पश्चाचत एक भी फौती नामांतरण का प्रकरण लंबित नही रहना चाहिए। यदि कोई प्रकरण लंबित होना पाया जायेगा, तो संबंधित पटवारी के साथ ही राजस्वा अधिकारी के विरूद्ध भी कार्यवाही की जावेगी। बैठक में बताया गया, कि जिले में स्वा मित्वौ योजना के तहत बेहतर कार्य हुआ है। एडीएम ने निर्देश दिए, कि स्वायमित्वल योजना के व्दितीय प्रकाशन से शेष रहे, ग्रामों का प्रकाशन समय-सीमा में करवाये और स्वा मित्वध योजना के प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करवाये।

नीलीया की मंजूबाई को संबल योजना तहत आर्थिक सहायता तत्काल दिलवाये -जैन

कलेक्टर ने नीलीया के सहायक सचिव को हटाने के दिए निर्देश

नीमच 30 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। नीलीया की मंजूबाई भील को मुख्यलमंत्री जन कल्या ण संबल योजना के तहत तत्का0ल आर्थिक सहायता दिलाई जाये एवं सहायक सचिव ग्राम नीलीया को हटाये। यह निर्देश कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने जनसुनवाई में नीलीया की मंजूबाई भील के आवेदन पर कार्यवाही करते हुए, जनपद जावद के सीईओ को दिये। जनसुनवाई में एडीएम सुश्री नेहा मीना, जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद एवं अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टौरेट नीमच में मंगलवार को जनसुनवाई करते हुए कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने 60 लोगों की समस्याहएं सुनी और उनका निराकरण करने के निर्देश संबंधित जिला अधिकारियों को दिए।

जनसुनवाई में जमुनियाकला के कन्हैयालाल शर्मा ने स्वंरय की जिम का कब्जाए दिलवाने,मालगढ की पुष्पोबाई ने पति की मृत्युय पर अनुग्रह राशि दिलवाने, रावणरूण्डी नीमच के

भरतलाल माली ने ईलेक्ट्रॉ निक ट्रायसिकल दिलवाने, बिसलवास के शोभराम कुम्हानर ने परिवार के भरण पोषण हेतु पात्रता पर्ची दिलवाने, रावणरूण्डी की शमीम बानों ने मारपीट करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही करने, नीमच सिटी की चमेलीबाई ने सर्वे करवाकर पटटा दिलवाने एवं जावद की सुरैया बी ने गम्भीर बीमारी के उपचार के लिए आर्थिक सहायता दिलाने संबंधी आवेदन जनसुनवाई में प्रस्तुत किया। इसी तरह केलुखेडा के श्रीराम मोंगिया,गरीब मोहल्ला नीमच के माधवलाल कुचबंदिया, जयसिंहपुरा के नानुराम जाटव, नीमच सिटी के सज्ञ,नसिंह, गोविन्दबपुरा जीरन के चॉदमल, केलूखेडा के बंशीलाल भील, कनावटी की सुषमा गौड, कास्बी‍ी के मिट्ठुसिंह राजपूत, तारापुर के गोपाल, रामपुरा के राकेश मकवाना, लक्ष्मीजपुरा की कमलाबाई बंजारा एवं कोटडी इस्तुमुरार के किशोर तोमर, भवंरलाल तोमर, अशोक आदि ने भी अपना आवदेन जनसुनवाई में प्रस्तुरत कर अपनी समस्याएं सुनाई।

कलेक्टोरेट नीमच में शहीद दिवस मनाया गया

नीमच 30 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी 30 जनवरी 2024 को कलेक्टोरेट सहित जिले के सभी शासकीय कार्यालयों में शहीद दिवस गरिमापूर्वक मनाया गया। इस मौके पर कलेक्टर श्री दिनेश जैन, एडीएम सुश्री नेहा मीना, एसडीएम की उपस्थिति में शहीद दिवस पर प्रात: 11 बजे कलेक्टोरेट परिसर स्थित सभी कार्यालयों के अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अपने जीवन का बलिदान करने वाले शहीदों की याद में दो-मिनट का मौन रखकर, श्रृद्धांजली दी गई।

इस अवसर,एसडीएम डॉ.ममता खेडे, संयुक्तो कलेक्ट र श्री राजेश शाह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। कलेक्टोरेट परिसर स्थित सभी विभागों के अधिकारी और कर्मचारियों ने सामुहिक रूप से शहीदों की याद में दो मिनट का मौन रख कर, उन्हे श्रृद्धांजली अर्पित की।

दो शस्त्र लायसेंस निलंबित

नीमच 30 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। जिला दण्डा धिकारी श्री दिनेश जैन द्वारा आयुध अधिनियम 1959 की धारा 17(3)(ख) के तहत लायसेंसी श्री सुरेन्द्रश पिता श्री उदयसिंह राजपूत, निवासी आंत्री बुजुर्ग, तहसील रामुपरा जिला नीमच को प्रदत्त 12 बोर बंदूक दो नाल लायसेंस क्रमांक 04/एमपी-एनएमएच/2015 मनासा एवं निवासी महागढ तहसील मनासा लायसेंसी श्री गंभीरसिंह पिता श्री सज्जनसिंह राजपूत लायसेंस क्रमांक02/एमपी-एन एम एच /07 मनासा को तत्कासल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

स्वदेशी का भाव जगाना होगा

पत्र संपादक के नाम

संपादक की सहमति आवश्यक नहीं

मंदसौर 30 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। किसी भी देश की अर्थव्यवस्था और उसके पूरे आर्थिक तंत्र की मजबूत रीढ़ के रूप में उसके स्थानीय उत्पादो, वस्तुओ, खाद्य पदार्थो एवम दैनिक जीवन में उपयोग आने वाली सामग्री को देखा जाता हे। क्योंकि यह केवल किसी स्थानीय उत्पादो को सीमित कर के देखने का दृष्टिकोण मात्र नही हे बल्कि उस उत्पाद के निर्माण, पैकेजिंग, परिवहन और वितरण तक में कन्हि न कन्ही स्थानीय इकाई एक ऐसे तंत्र के रूप में जुड़ी होती है जो घर के पेसो को घर में ही चलायमान रखकर एक ऐसी चेन का निर्माण करती हे जिसमे सबका आर्थिक हित संवर्धन सतत होता हे। जबकि इसकी तुलना में जब कोई विदेशी या कहे मल्टीनेशनल कंपनियों द्वारा बाजार में उतारे गए उत्पाद सामग्री का आर्थिक पक्ष जानेंगे तो पता चलता हे की ग्राहक के रूप में भले ही एक भारतीय नागरिक की आवश्यकता और आकर्षण की पूर्ति ये विदेशी तथाकथित वस्तुएं करती हो लेकिन इसका सीधा सीधा लाभ कुछ चुनिंदा लोगो और कंपनियों तक ही सीमित हो जाता हे। इसके कारण देश की आर्थिक रीढ निरंतर कमजोर होती हे। इसलिए स्वदेशी और वह भी स्थानीय उत्पाद को लेकर हमारी अनिवार्य वरीयता आत्मनिर्भरता का भाव जगाने वाली होना चाहिए। भारत की उत्सवधार्मिता अर्थात पर्व, उत्सव, मांगलिक कार्यक्रम, विवाह बंधन एवम जीवन कर्म से जुड़ी गतिविधियां हमारे व्यापार, कारोबार, कृषि कार्य, निर्माण, उत्पादन व परिवहन को भी निरंतर नई गति देने का निमित्त बनते हे। प्रधानमंत्री ने वोकल फॉर लोकल का देशवासियों से त्योहारों के साथ ही विवाह और अन्य समारोह भी विदेश के स्थान पर देश में ही करने का जो आव्हान किया हे यह आव्हान स्वागत योग्य है। उनका यह कहना उचित हे की स्वदेशी के इस अभियान को मात्र उत्सवो तक सीमित न रखा जाए बल्कि विवाह जैसे बड़े समारोह भी देश में किए जाए। ऐसा करने से विवाह या अन्य किसी समारोह में किए जाने वाले खर्च का सारा पैसा देश में ही रहेगा। इसका लाभ भारतीय उत्पादो और भारतीय व्यापारियों को मिलेगा। प्रधानमंत्री जी ने यह भी कहा की ऑनलाइन खरीदी करते समय हम सब यह भी अवश्य ध्यान रखे की खरीदे जाने वाले उत्पाद पर मेड इन इंडिया अर्थात भारत में निर्मित अवश्य लिखा हो। भारत में उत्सव परंपरा और विवाह संस्कार का अर्थशास्त्र भी सनातन काल से शाश्वत और अक्षुण्ण रहा हे। क्योंकि हर बार हमारे इन्ही त्योहारो और विवाह आयोजनो के द्वारा हम ना केवल अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की तरफ कदम बढ़ाते हे बल्कि प्रत्येक क्षेत्र में विविधता पूर्ण रोजगार सृजन, कला को नया मंच, हस्तशिल्प के साथ ही हुनरमंद हाथो को नवीन अवसर और अन्नदाताओ की आकांक्षाओं को पंख लगाने का निमित्त हमारे यही अवसर बनते हे। जब भारतीय धर्म संस्कृति में विशुद्ध रूप से स्वदेशी विचार पर आधारित उत्सव, परंपरा एवम तीज त्यौहारो को लेकर मान्यताओ, नियमो व शास्त्रगत धार्मिक अनुशासन का पालन अनिवार्य शर्त के रूप में देखा जाता हे तब स्वदेशी विचार आधारित उत्सवो और आयोजनो में स्थानीय वस्तुओ का उपयोग व उपभोग अनिवार्य क्यों न हो ? स्वदेशी एवम स्थानीय वस्तुओ की खरीदी बिक्री से समाज के प्रत्येक वर्ग की आजीविका को स्वदेशी भाव से ही वर्षभर का प्रोत्साहन मिल जाता हे। स्वदेशी उत्पाद केंद्रित आर्थिक लेन देन भी जब मजबूती के साथ काम करेगा तो यही देश के अर्थतंत्र की मजबूती का आधार भी बनेगा। प्रत्येक देशवासी को यह संकल्प लेना चाहिए की हम विदेशी वस्तुओं की खरीदी बंद करेंगे और अपने देश के उत्पादो का उपयोग करेंगे इससे हमारा देश और अधिक आत्मनिर्भर होगा।

गौरव सोनी, मंदसौर

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	70	2205	2311
उडद	13	4000	5733
सोयाबीन	3819	3450	4500
गैहु	2600	2295	3190
चना	45	5100	5591
मसुर	97	5300	6025
धनिया	147	4501	7101
लहसुन	12000	15521	27501
मैथी	571	4775	6161
अलसी	1201	4451	5021
सरसो	1450	4250	4821
तारामीरा	-	-	-
इसबगोल	7	10000	15801
प्याज	2512	250	1205
कलोंजी	50	14001	17141
डॉलर	3	4500	13660
तिल्ली	4	13601	14441
मटरसुखी	-	-	-
असालीया	217	6601	8590

शहीदों की स्मृति में सुशासन भवन में रखा गया 2 मिनिट का मौन

मंदसौर 30 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अपने जीवन का बलिदान देने वाले शहीदों की स्मृति में सुशासन भवन में प्रात: 11 बजे 2 मिनिट का मौन रखा गया। इस दौरान कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव, अपर कलेक्टर श्री विशाल सिंह चौहान, सभी जिलाधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे।

दस्तक अभियान 28 फरवरी तक चलेगा

मंदसौर 30 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। मुख्य चिकित्सा- एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा. जीएस चौहान ने बताया कि जिले में 30 जनवरी 2024 से दस्त क अभियान का प्रारंभ हो गया है। यह अभियान 28 फरवरी 2024 तक चलेगा। जिसमें 9 माह से 59 माह तक के बच्चों को विटामीन ए अनुपुरूण किया जाएगा। दस्तिक के प्रथम चरण में चिन्हित एनीमीक बच्चों9 का एचबी टेस्ट किया जाएगा। जिले में लगभग 1 लाख बच्चों को विटामीन ए पिलाया जाएगा।

नि:युद्ध गुरुकुल के 50 नियोद्धाओं ने अपनी खेल दक्षता को प्रमाणित किया

मंदसौर 30 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। नियुद्ध खेल के वर्ल्ड हेड क्वार्टर मंदसौर पर नियुद्ध खेल की दक्षता परीक्षा सम्पन्न हुई। नूतन स्टेडियम परिसर में स्थित नियुद्ध हाल में आयोजित इस परीक्षा में सभी पंजीकृत परीक्षार्थियों ने भाग लिया। इस दौरान वर्ल्ड नियुद्ध फेडरेशन के फाउंडर नियुद्धाचार्य डॉ. नरेन्द्र श्रीवास्तव विशेष रूप से उपस्थित थे। नियुद्ध गुरूकुल द्वारा आयोजित दक्षता परीक्षा में सभी बेल्ट स्कार्फ कक्षाओं के लिये 50 नियोद्धाओं द्वारा अपनी नियुद्ध खेल की दक्षताओं को प्रमाणित किया गया। उल्लेखनीय है कि अपना घर की 12 बालिकाओं द्वारा नियुद्ध खेल की दक्षता परीक्षा में भाग लिया गया। परीक्षक के रूप में नियुद्ध गुरु प्रवीण भण्डारी, अजयसिंह चौहान, अभिरूची भंडारी, रजत राज श्रीवास्तव , अर्पण भंडारी, हिमांशु सिंह चंद्रावत, वंशिका श्रीवास्तव, हर्षिता सिसोदिया, दिव्या रैकवार, अपना घर की नियुद्ध गुरु कंकू, संजना, नीलम और पायल भी उपस्थित रहे। जिसमें परीक्षार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए प्रमाण पत्र नियुद्ध के स्थापना दिवस महाशिवरात्रि पर्व के दिन प्रदान किए जाएंगे। नियुद्ध गुरूकुल के सचिव प्रवीण भण्डारी ने बताया कि विशेष रूप से महिलाओं व बालिकाओं के लिए आत्मरक्षा के लिए विशेष शिविर भी आयोजित किया जाने वाला है।

काली सिंध को गांधी सागर के पहले चम्बल से जोड़े -नाहटा

मंदसौर 30 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। पूर्व मंत्री नरेंद्र नाहटा ने मुख्य मंत्री श्री मोहन यादव जी तथा सिंचाई मंत्री श्री तुलसी सिलावट जी को मध्य प्रदेश और राजस्थान की नदियों को जोड़ने के लिए समझौते के लिए धन्यवाद दिया है। इस समझौते में काली सिंध नदी को चंबल नदी से जोड़ने का भी प्रस्ताव है। श्री नाहटा ने कहा उनके लिए इस समझौते का भावनात्मक महत्व इसलिए भी है कि उनके स्वर्गीय पिताजी तत्कालीन सांसद श्री भंवर लाल जी नाहटा ने अमेरिका प्रस्थान करने के एक दिन पूर्व ही अधिकारियों की बैठक लेकर प्रस्ताव तैयार करवाए थे।बाद में केंद्रीय वाटर एवं पावर कमीशन ने भी इस प्रस्ताव को अपनी सहमति दी थी। श्री नाहटा ने कहा राजस्थान की तत्कालीन मुख्य मंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे जी भी इस प्रस्ताव के पक्ष में थी और इसके लिए प्रयासरत थी।परंतु उनका आग्रह था कि काली सिंध को सीधे राजस्थान क्षेत्र में चंबल से जोडा जाए।स्वर्गीय सांसद नाहटा जी का प्रस्ताव इसे गांधी सागर से पहले मध्य प्रदेश सीमा में चंबल नदी से जोडने का था जिससे गांधी सागर से विद्युत उत्पादन तथा मंदसौर तथा नीमच जिले को सिंचाई का लाभ भी होता।

श्री नाहटा ने कहा कि गांधी सागर के निर्माण में मंदसौर और नीमच जिले ने बडा त्याग किया है। राजस्थान सरकार से हुए अनुबंध के कारण निर्माण के 50 वर्ष प्रतीक्षा भी की है। अब मंदसौर और नीमच जिले में चम्बल नदी से सिचाई की सम्भावनाये बनी है। कालीसिंध भी मध्य प्रदेश के बडे भाग से गुजरती है। कालीसिंध नदी को गांधी सागर के पहले जोडने से राजस्थान को नुकसान नहीं होगा। श्री नाहटा ने मुख्य मंत्री श्री यादव जी और सिंचाई मंत्री श्री तुलसी सिलावट जी से आग्रह किया है कि वे यह सुनिश्चित करें कि काली सिंध को मध्य प्रदेश की सीमा में ही जोडा जाए। श्री नाहटा ने दोनो जिलों के सभी विधायकों और सांसद जी से भी आग्रह किया है कि वे भी मंदसौर और नीमच जिले के हितों को सुरक्षित करने के लिए मुख्य मंत्री जी से चर्चा करे। श्री नाहटा ने पुन: मुख्य मंत्री जी को बधाई देते हुए आशा व्यक्त की है कि इस परियोजना पर शीघ्र काम शुरू होगा।

काला को आर्थिक सहायता के लिए मुख्यमंत्री के नाम अनुविभागीय अधिकारी को ज्ञापन सौंपा

मनासा 30 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। 26 जनवरी को राजीव कॉलोनी मंदसौर निवासी राजेशजी पोरवाल के घर पर गैस दुर्घटना में उनकी धर्मपत्नी श्रीमती पुष्पाबाई का दुखद निधन हो गया एवं राजेश जी गंभीर रूप से घायल हो गए जिनका इलाज एम वाय अस्पताल इंदौर में चल रहा है। पोरवाल समाज व पोरवाल युवा संगठन मनासा द्वारा मुख्यमंत्री के नाम अनुविभागीय अधिकारी को ज्ञापन दिया । जिसमे पीडित परिवार को 20 लाख रुपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की जाए एवं परिवार के एक सदस्य को शासकीय नौकरी दी जाए। इस अवसर पर पोरवाल समाज के दिलीप डपकरा (पोरवाल समाज अध्यक्ष) , सत्यनारायण डपकरा,श्याम वेद(अध्यक्ष.पोरवाल युवा संगठन) ,गोपाल पोरवाल, प्रदिप फरक्या,नरेंद्र पोरवाल , राकेश पोरवाल,राजेश फरक्या,महेंद्र पोरवाल,अनिल मुजावदिया,सुनील फरक्या,राजमल धनोतिया,राधेश्याम रत्नावत, हरीश मंडवारिया,हीरालाल वेद,अशोक फरक्या,तरुण पोरवाल एव समाज जन उपस्थित थे ज्ञापन का वाचन पंकज पोरवाल द्वार किया गया एव आभार पोरवाल समाज सचिव घनश्याम धनोतिया द्वारा व्यक्त किया।

वात्सल्य प्रीमियर लीग-2 का शुभारंभ 2 को

सफल वॉरियर्स एवं मंदसौर स्ट्राईकर्स के बीच होगा पहला मैच

मंदसौर 30 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। गनेडीवाल चौरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित वात्सल्य प्रीमियर लीग-2 का आगाज 2 फरवरी से नूतन स्कूल क्रिकेट स्टेडियम में होने जा रहा है। दूधिया रोशनी में मंदसौर शहर के युवा अपनी खेल प्रतिभा का परिचय देंगे। इसमें अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेल चुके खिलाडी भी भाग लेंगे। 2 फरवरी को रात्रि 8 बजे प्रतियोगिता का शुभारंभ होगा। प्रतियोगिता में प्रथम मैच सफल वारियर्स (कप्तान अमन खान) एवं मंदसौर स्ट्राईकर्स (कप्तान दीपक पुनिया) के बीच होगा।

वात्सल्य प्रीमियर लीग-2 के आयोजनकर्ताओं ने बताया कि 10 दिवसीय इस क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मैच 11 फ़रवरी को प्रतियोगिता का फ़ाइनल मैच खेला जाएगा। जिसमें 6 टीमें भाग ले रही है। वीपीएल में जो खिलाडी हिस्सा लेंगे उसमे आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स की और से खेल चुके अमन खान, किंग्स 11 पंजाब की और से खेल चुके शिवम सिंह, रमनदीप सिंह (केकेआर), शुभम् गढवाल (राजस्थान रॉयल्स), दीपक पुनिया (मुंबई इंडियंस), मोहित राठी (किंग्स 11 पंजाब) तथा भारत की और से अंडर 19 विश्व कप खेल चुके मयंक रावत भी प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे।

6 टीमें ले रही है हिस्सा- क्रिकेट को बढावा देने तथा युवाओं को खेल से जोडने के लिये अंतर्राष्ट्रीय एवं नगर के खिलाडियों से लब्ध 6 टीमें भाग ले रही है जिसमें वात्सल्य प्रीमियर लीग, सफल वॉरियर्स, मंदसौर मावेरिक्स, सर्क स्पार्टन्स, राज राइडर्स, मंदसौर इंडियंस तथा मंदसौर स्ट्राइकर टीम हिस्सा ले रही है।

शिव परिवार सामाजिक एकता का संदेश देता हैं - पं.उपाध्याय

नीमच 30 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। कुबेरेश्वर महिला मंडल बगीचा नंबर 10 क्षेत्रवासियों द्वारा क्षेत्र की सुख समृद्धि एवं सुख शांति की प्रार्थना के साथ शिव महापुराण कथा आयोजित की गई। बगीचा नंबर 10स्थित में भक्ती पांडाल में आयोजित शिव पुराण के मध्य भागवताचार्य पंडित प्रमोद महाराज मनासा ने कहा कि शिव पशुपति है अर्थात सभी जीवो के देवता भी है इसलिए सारे जीव कीडे मकोडे और पशु पक्षी उनकेघ्घ् परिणय विवाह में उपस्थित हुए यहां तक की भूत पिशाच यक्षघ् किन्नरऔर अर्ध विक्षिप्त लोग भी उनके विवाह में अतिथि बनकर सहभागी बने थे।उन्होंने कहा कि मुनि नारद जी ने बताया था कि भगवान शिव स्वयंभू है।उन्होंने कहा कि जहां भगवान शिव का मंडप बनता है तोघ् उसके उप्पर मोगरा लगाना चाहिए इससें एक अश्वमेध यज्ञ का पुण्य फल प्राप्त होता है।शिव पुराण की कथा में शिव परिवार सामाजिक एकता का संदेश देता है।शिव परिवार प्रेम के साथ जीवन जीने का संदेश देता है ।पाप की भागीदारी करना और पाप को देखना भी महा पाप होता है इससे सदैव बचना चाहिए। तपस्या करें तो कर्म का फल अवश्य मिलता है। भजन मुक्ति का साधन है भक्ति का मार्ग है। वृत तपस्या करेंगे तो फल भी हमें ही मिलेगा। यदि हम बुरे कर्म करेंगे तो फल भी हमें ही भोगना पडेगा। जीवन बहुमूल्य है कर्म का परिश्रम हमको स्वयं को ही करना होगा।यदि हम रोगी है तो दवाई का सेवन भी हमें ही करना होगा तभी हम स्वस्थ हो सकते हैं। हम यदि किसी पर हंसगे तो कल परमात्मा हमारा भी यही हाल कर सकता है। एकादशी का व्रत करना चाहिए इसके नियमों का पालन करना चाहिए। भजन सत्संग में दिखावा नहीं करना चाहिए। भगवान की भक्ति नियम पूर्वक करना चाहिए।मोन व्रत करने से वाक्य सिद्धि प्राप्त होती है। भोजन बनाते समय धन कीर्तन करना चाहिए संसार की व्यर्थ बातें नहीं करना चाहिए। भोजन प्रसाद के रूप में ग्रहण करना चाहिए।भोजन आसन पर बैठकर ही ग्रहण करना चाहिए खडे-खडे भोजन नहीं करना चाहिए। भोजन और भजन पर्दे में रहना चाहिए।धर्म कथा सत्संग मन से एकाग्रता व ध्यान पूर्वक सुनना चाहिए तभी जीवन का कल्याण हो सकता है। पहली रोटी गाय को ग्रहण करवाना चाहिए।

रिद्धि सिद्धि गणपति विवाह में झूमे श्रद्धालु... -शिव पुराण के मध्य जब पंडित प्रमोद उपाध्याय ने रिद्धि-सिद्धि गणपति विवाह का विषय बताया तो श्रद्धालु रिद्धि सिद्धि गणपति की जय घोष लगने लगी। शिव पुराण में उपस्थित श्रद्धालुओं द्वारा पुष्प वर्षा कर आशीर्वाद ग्रहण किया गया। इस अवसर पर गणपति तुम आना रिद्धि साथ लेकर सिद्धि साथ लेकर चले आना भजन प्रस्तुत किया तो श्रद्धालु झूम उठे।

12 ज्योतिर्लिंग दर्शन व हवन आज

शिव महापुराण के मध्य पंडित प्रमोद महाराज द्वारा आज बुधवार को 12 ज्योतिर्लिंग दर्शन विषय पर प्रकाश डाला जाएगा।व शिव महापुराण का विश्राम हवन के साथ संपन्न होगा।

मालगाड़ी के आगे कूदकर आत्महत्या करने वाले युवक के पिता ने प्रताड़ित करने वाली

युवती उसकी मां के खिलाफ की नामजद शिकायत

पिपलियामंड़ी 30 जनवरी गुरु एक्सप्रेस।। ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या करने वाले युवक के पिता ने पिपलियामंडी चौकी पर उसके बेटे को आत्महत्या के लिए प्रेरित करने वाली युवती व उसकी मां के खिलाफ नामजद शिकायत दर्ज कर कार्रवाई की मांग की।

रीछालालमूहा (दलौदा) निवासी दिनेश पिता ओमप्रकाश लक्षकार ने पिपलिया मंडी चौकी पर शिकायत दर्ज कराई कि मेरे इकलौते बेटे राहुल ने दिनांक 11 जनवरी 2024 को पिपलियामंडी में रेलवे फाटक से आगे मालगाडी के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली थी। मैंने मेरे बेटे के मोबाइल का लॉक खुलवाया तो मुझे पिपलियामंडी निवासी युवती के फोटो मेरे बेटे के साथ मिले। घटना दिनांक को भी युवती व उसकी मां ने मेरे बेटे को पिपलियामंडी बुलाया और धमकाया कि शादी नही होगी। जबकि पहले मेरे बेटे के साथ शादी करवाने की बात बोल रहे थे। मेरे बेटे को यहां बुलाकर प्रताडित किया गया, इसी कारण उसने आत्महत्या की है। दोनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

हम होंगे कामयाब एक दिन नहीं ,बल्कि हर दिन कामयाब होंगे-बीके ज्योती दीदी

पिपलियामंडी 30 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा बीके ज्योति दीदी एवं बीके प्राची दीदी द्वारा बोर्ड की कक्षाओं मे अध्ययनरत छात्र छात्राओं को नगर के शारदा पब्लिक स्कूल मे बच्चो का मार्गदर्शन किया गया।कई छोटे-छोटे एवं सार्थक तरीके बात कर सफलता के मार्ग बताये ।

आपने कहा कि हम होंगे कामयाब एक दिन नहीं ,बल्कि हर दिन कामयाब होंगे। बच्चे अपने मन मे यह विचारधारा रखकर जीवन में कार्य करें। आपने ध्यान के तरीके बता कर बच्चों का सार्थक मार्गदर्शन किया। आपने बोर्ड परीक्षा देने वाले बच्चों को प्रवेश पत्र वितरण कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर बोर्ड की कक्षाओं के बच्चे एवं स्कूल के शिक्षक व शिक्षिका उपस्थित थे। कार्यक्रम के प्रारंभ में संस्था के सचिव श्रीमती गायत्री गहलोत ने पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। अंत में संस्था के प्राचार्य ओमप्रकाश गहलोत ने प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की दीदीयों आभार ज्ञापित किया।

प्यार, सम्मान एवं दुलार पहल के अंतर्गत स्कूली बच्चो को वृद्धाश्रम में कराया भ्रमण

मंदसौर 30 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री अजीत सिंह के मार्गदर्शन तथा जिला न्यायाधीश/ सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर श्री हर्ष सिंह बहरावत के निर्देशन में वात्सल्य धाम वृद्धाश्रम में निवासरत वृद्ध जनों को नई पीढी से जोडने हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान प्यार, सम्मान एवं दुलार के अंतर्गत सुभाष इंग्लिश स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा वृद्धाश्रम में निवासरत वृद्धजनों से मुलाकात की गई। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा वृद्धजनों को फल वितरण कर विभिन्न कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई।

वृद्धजनों द्वारा बच्चों को अपने जीवन अनुभवों से अवगत करवाया गया। उन्होंने बच्चों से बिना किसी दबाव के पूरी लगन एवं आत्मविश्वास से पढाई करने हेतु प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर उपस्थित बच्चों को इस आशय की शपथ दिलवाई गई कि वे अपने परिवार के एवं अन्य वृद्ध जनों से प्यार एवं सम्मान का व्यवहार रखेंगे।इस अवसर पर पैरा लीगल वॉलिंटियर श्रीमती सीमा नागर, विद्यालय के शिक्षक- शिक्षिकाए उपस्थित थे।

कुष्ठ निवारण जागरूकता रैली का हुआ आयोजन

मंदसौर 30 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की पुण्यतिथि पर कुष्ठ निवारण जागरूकता रैली जिला चिकित्सालय मंदसौर से निकाली गई। रैली को हरी झंडी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ जी एस चौहान द्वारा दिखाई गई। रैली शहर के प्रमुख मार्गो से होते हुए गांधी चौराहा पर मानव श्रृंखला बनाई गई और जागरूकता के नारे लगाए गए। भारत ने यह ठाना है, कुष्ठरोग मिटाना है। रैली का समापन जिला प्रशिक्षण केंद्र आई.पी.पी. 6 मंदसौर में किया गया। जागरूकता रैली के दौरान डॉ सिद्धार्थ पाटीदार जिला कुष्ठ रोग नियंत्रण अधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री राकेश शर्मा, शासकीय नर्सिग कॉलेज की प्राचार्य श्रीमती बसंती मसीह, शासकीय नर्सिग कॉलेज की छात्राएं एवं आशा कार्यकर्ताओं ने रैली में भाग लिया।

पुलिस कैंप पर नक्सली हमला, 3 जवान शहीद, 14 जवान घायल

बस्तर 30 जनवरी। बस्तर के टेकलगुडेम में मंगलवार को पुलिस कैंप पर नक्सली हमले में 3 जवान शहीद हो गए है।14 जवान घायल हैं. घायलों को चॉपर से पहले जगदलपुर लाया गया. यहां से उन्हें रायपुर ले जाया जा रहा है. बता दें कि टेकलगुडेम में ही साल 2021 में नक्सली हमले में 23 जवान शहीद हुए थे।

मंगलवार को जोनागुडा-अलीगुडा क्षेत्र में कोबरा/एसटीएफ/डीआरजी की टीम सर्चिंग कर रही थी. दोपहर 3 से 4 बजे के बीच घात लगाए नक्सलियों ने टीम पर फायरिंग कर दी। इस दौरान सुरक्षाबलों ने भी नक्सलियों को मुंहतोड जवाब दिया. फोर्स को भारी पडता देख माओवादी जंगल की आड लेकर भागने में कामयाब हो गए। मुठभेड में 1 जवान को गोली लगी है, जबकि 3 जवानों को मामूली चोट आई है। घायल जवानों की स्थिति खतरे से बाहर है।

जनसुनवाई में 44 आवेदन आयें

मंदसौर 30 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। अपर कलेक्ट र श्री विशाल सिंह चौहान ने सुशासन भवन सभाकक्ष में ग्रामीण जनों की समस्याआएं सुनी प्रति मंगलवार की तरह सुशासन भवन में साप्ताहिक जनसनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। जनसुनवाई में जिले भर से आए 44 आवेदकों की समस्याईएं सुनी। अपर कलेक्टर श्री विशाल सिंह चौहान ने अधिकारियों को समय सीमा में निराकरण करने के अधिकारियों को निर्देश दिये। जनसुनवाई में आवेदकों ने अपनी समस्या/ शिकायत/ मांग/ आर्थिक सहायता संबंधी आवेदन दिये। जनसुनवाई में दौरान वरिष्ठस प्रशासनिक अधिकारियों ने सभी आवेदकों से आवेदन पत्र प्राप्त कर उन पर समुचित कार्यवाही के लिये विभाग प्रमुखों की ओर प्रेषित किया। जनसुनवाई में बीपीएल सूची में नाम जुडवाने, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना केतहत आवास मंजूर करने, निजी भूमि पर अवैध अतिक्रमण, भूमि विवाद, बीमारी सहायता, आपसी विवाद, शिक्षा ऋण दिलाने, सामुदायिक सुविधा घर (कम्युनिटी टायलेट) बनवाने आदि विषयों के आवेदन प्राप्त हुये। जिनके निवारण हेतु संबंधित विभागाधिकारियों को निर्देश दिये।

शक्ति वंदन महिला स्व सहायता समूह एवं एनजीओ संपर्क अभियान की जिला कार्यशाला आज

मंदसौर 30 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा जिला शक्ति वंदन महिला स्वयं सहायता समूह ग्रुप एवं एनजीओ सपर्क अभियान की जिला कार्यशाला भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश प्रभारी राज्यसभा सांसद सुश्री कविता पाटीदार, भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष माया नारोलिया, प्रदेश संयोजक लता वानखेडे के निर्देशानुसार दिनांक 31 जनवरी 2024 बुधवार को दोपहर 01 बजे भारतीय जनता पार्टी मंदसौर जिला कार्यालय में आयोजित की गई है। जिसमें भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष वक्ता श्रीमती शशि यादव, भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया, कार्यक्रम जिला प्रभारी एंव भाजपा जिला महामंत्री राजेश दीक्षित, भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष निर्मला गुप्ता की गरिमामय उपस्थिति में कार्यशाला संपन्न होगी। समस्त अपेक्षित श्रेणी की मातृशक्ति बंधुवर कार्यशाला में नियत समय पर उपस्थित रहें।

जिलास्तरीय समिति की उन्मुखीकरण कार्यशाला का हुआ आयोजन

मंदसौर 30 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। मुख्य चिकित्साआ एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ जी एस चौहान की अध्यौक्षता में जिला स्तनरीय समिति (एम. टी. पी.) की उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। उन्मुनखीकरण कार्य शाला में रजिस्ट र्स निजी चिकित्साआलय के प्रतिनिधी एवं शासकीय चिकित्सामलयों के सेवा प्रदाता चिकित्समक उपस्थित रहे। कार्यशाला में श्री विदिश कुलकर्णी संभागीय समन्वयक प्रतिनिधि आईपास द्वारा एम.टी.पी. से संबंधित जानकारी एवं नियमों की जानकारी प्रदान की गई। श्री राकेश शर्मा जिला कार्यक्रम प्रबंधक द्वारा निजी चिकित्साालय एवं शासकीय स्वास्थ्य संस्थाम द्वारा एचएमआईएस में की जा रही प्रविष्टेश के संबंध में जानकारी प्रदान की। डॉ. एस.जी. सूर्यवंशी जिला स्वस्थ्यर अधिकारी मंदसौर द्वारा कार्यशाला में उपस्थित समस्तद प्रतिभागियों का आभार माना गया।

✻संयुक्त उठावना✻

हमारे भाई, अनिल व हेमंत के पूज्य पिताजी, सुनील, मनीष, कमलेश, विकास, गौरव, अभिषेक, गौतम व वर्धमान के बड़े पिताजी एवं महावीर के दादाजी श्री शांतिलालजी मारू (सुपुत्र स्व श्री बापूलालजी मारू बर्तनवाला) का स्वर्गवास दिनांक 29 जनवरी 2024 सोमवार को हो गया है संयुक्त उठावना दिनांक 31 जनवरी 2024 बुधवार को प्रात 10: 30 बजे श्रेयांसनाथ जैन मंदिर नई आबादी मंदसौर पर रखा गया है।

शोकाकुल
जिनेन्द्र,ललित ,विनय, विनोद, दिनेश मारू एवं मारू परिवार मंदसौर, नाथूलाल-हीरालाल सेठिया परिवार रतलाम
फर्म- छब्बालाल-फतेहचंद , शांतिलाल - ललित कुमार, राजेन्द्र रोड लाईन्स, मंदसौर

✻नाम परिवर्तन✻

सर्व साधारण को सूचित किया जाता हे कि में ताहीर अली पिता मुस्तुफा अत्तरवाला ने अपना नाम परिवर्तन कर ताहेर अत्तरवाला कर लिया है। अत: आइन्दा आगे से मुझे अपने नए नाम ताहेर अत्तरवाला के नाम से जाना एवं पहचाना जाए।

पता 7-A बुरहानी विला मुफद्दल टाउनशिप ग्रीन वेली के पास मंदसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in